CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-328
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

क्रोध पर जिसका क़ाबू हो जाये वो इंसान हर परिस्थिति पर क़ाबू पा सकता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 04 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

निवेश की बौछार- दक्षिण कोरिया का ईसीडीएस ग्रुप मध्यप्रदेश में करेगा निवेश, ग्रुप ने सीएम मोहन यादव से की मुलाकात

उज्जैन में बनेगी यूरिन टेस्ट से कैंसर की पहचान करने वाली किट

भोपाल/इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार को मंत्रालय में साउथ कोरिया के ईसीडीएस ग्रुप के निवेशकों और शोधार्थियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि साउथ कोरियन ज्वाइंट वेंचर ग्रुप प्रदेश में बने बेहतर औद्योगिक वातावरण को देखते हुए से मेडिकल उपकरणों, मेडिकल एआई, नैनो टेक्नोलॉजी, बायो पॉलीमर और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश का इच्छुक है। मुख्यमंत्री से चर्चा में प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि उनका समूह उज्जैन के मेडिकल डिवाइस पार्क में शोध और निर्माण पर केंद्रित इकाई स्थापना की दिशा में पहल कर रहा है। यह समूह क्यूबबायो के साथ साझेदारी में उज्जैन मेडिकल डिवाइस पार्क में पहले चरण की परियोजना शुरू करेगा। इसका लक्ष्य यूरिन नमूने के माध्यम से प्रारंभिक चरण के कैंसर का पता लगाने वाला किट विकसित करना है। इससे प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान कर तत्काल इलाज आरंभ करने में मदद मिलेगी। समूह द्वारा परियोजना में 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। इससे लगभग 500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। परियोजना चिकित्सा उपकरणों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लीनटेक पर केंद्रित होगी, जबकि दूसरे चरण में इसे एविएशन और सेमीकंडक्टर क्षेत्र तक विस्तारित किया जाएगा। समूह प्रदेश में एविएशन सेमीकंडक्टर आदि क्षेत्र में भी निवेश का इच्छुक है। इसके साथ ही समूह ने कौशल उन्नयन के लिए तकनीक और विशेषज्ञता साझा करने में भी रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से डॉ. वुंग कवांग यांग, डॉ. युंगहून लिम, डॉ. सिओक किम, जोंग शिओल जंग, जेली शिओन, वू सिओक शुंग तथा राजेश भारद्वाज ने भेंट की। मुख्य सचिव अनुराग जैन, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित थे।

विमानन सेमीकंडक्टर में भी है रुचि समूह राज्य में विमानन सेमीकंडक्टर आदि के क्षेत्र में भी निवेश करने में रुचि रखता है। इसके साथ ही समूह ने कौशल उन्नयन के लिए प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता साझा करने में भी रुचि दिखाई। अधिकारी ने बताया कि इस अवसर पर ईसीडीएस समूह के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ-साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन और प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह सहित राज्य के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

फूड प्रोसेसिंग के लिए आए हैं 4 हजार करोड़ के प्रस्ताव जीआईएस-भोपाल में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 4000 करोड़ रुपए के निवेश से प्रदेश में 8000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के बढ़ने से किसान सीधे अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेंगे, जिससे राज्य की आर्थिक मजबूती को और बढ़ावा मिलेगा। जीआईएस-भोपाल में हरित और श्वेत क्रांति को लेकर मिले निवेश प्रस्तावों ने मध्यप्रदेश को देश का फूड बास्केट बनाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाने का अवसर दिया है।

इंदौर के पंद्रह स्टार्टअप को मिली फंडिंग स्वास्थ्य के क्षेत्र में इंदौर के युवा उद्यमियों ने स्टार्टअप शुरू किए है। किसी ने विशेष उपकरण बनाकर किसी भी भाषा में डॉक्टर से बात करने के लिए एआई बेस्ड सॉल्यूशन भी बनाया गया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में अल्ट्रासाउंड रोबोट की मदद से सोनोग्राफी करना आसान हो गया है। एक सूटकेस में आ जाने वाली पोर्टेबल ब्लड टेस्टिंग यूनिट पर भी एक स्टार्टअप काम कर रहा है। इस तरह के अनूठे काम करने वाले युवाओं को फंडिंग दी गई है। दिल्ली के हैबिटेट सेंटर में ऐसे पंद्रह स्टार्टअप को फंडिंग दी गई जो हेल्थ केयर सेक्टर में अनूठे प्रयास कर रहे है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्री जितेंद्र सिंह और इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने एक कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को फंडिंग का लेटर दिया। पंद्रह स्टार्टअप्स को पांच करोड़ रु की फंडिंग दी गई है और ये राशि प्रत्येक स्टार्टअप के लिए बढ़ाकर एक करोड़ रु की जा सकती है। इनमें से कुछ स्टार्टअप आईआईटी के प्रोफेसर्स ने शुरू किए है तो कुछ भोपाल एम्स के डॉक्टर्स ने बनाए है वहीं कुछ स्टार्टअप्स डॉक्टर और इंजीनियर्स ने मिलकर बनाए है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा की अब डॉक्टर्स, इंजीनियर का काम कर रहे हैं और कई इंजीनियर, डॉक्टर के मेडिकल क्षेत्र में काम कर रहे हैं टेक्नोलॉजी की मदद से यह संभव हुआ है और नई शिक्षा नीति 2020 के कारण बहुत जल्द छात्र विभिन्न विषयों का अध्ययन कर सकेंगे। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि आईआईटी इंदौर ने ऐसे स्टार्टअप्स की मदद की है जो हेल्थ केयर के क्षेत्र में क्रांतिकारी काम कर रहे हैं। आज से 10-20 साल पहले जिन बीमारियों का इलाज असंभव लगता था वह आज स्टार्टअप्स ने संभव कर दिखाया है। इन स्टार्टअप्स की मदद से ग्रामीण क्षेत्र में भी उच्च स्तरीय हेल्थ केयर सुविधा पहुंचना संभव है।

तुरंत बच्चे पैदा करें...

परिसीमन को लेकर हंगामे के बीच तमिलनाडु सीएम स्टालिन का चौंकाने वाला बयान

चेन्नई। तमिलाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द बच्चे पैदा करें। सीएम ने कहा कि राज्य में सफलतापूर्वक जनसंख्या नियंत्रण करने का अब राज्य को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने चेताया कि अगर जनसंख्या के आधार पर संसदीय सीटों का परिसीमन होता है तो इसका तमिलनाडु को नुकसान हो सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने बयान में कहा कि पहले हम कहते थे कि आप आराम से बच्चे पैदा करें, लेकिन अब हालात बदल गए हैं और अब हमें कहना चाहिए कि तुरंत बच्चे पैदा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो इससे तमिलनाडु में लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है और संसद में राज्य का प्रतिनिधित्व घट सकता है। स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर 5 मार्च को सभी पार्टियों की बैठक बुलाई है। सीएम ने सभी राजनीतिक दलों से आपसी मतभेद भुलाकर बैठक में शामिल होने की अपील की और कहा कि परिसीमन का मुद्दा तमिलनाडु के लिए बेहद अहम है।

बच्चों को सुंदर तमिल नाम दें स्टालिन ने दूल्हा-दुल्हन से अपील करते हुए कहा कि मैं आपसे यह नहीं कहूंगा कि आप जल्दबाजी में बच्चे पैदा न करें, बल्कि तुरंत बच्चे पैदा करें और उन्हें सुंदर तमिल नाम दें। स्टालिन ने कहा कि परिसीमन का सवाल तमिलनाडु के अधिकारों और उसके हितों की रक्षा से जुड़ा है, इसलिए इस मामले का राजनीतिक मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए।स्टालिन ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि अधिक जनसंख्या होने पर ही अधिक सांसद सुनिश्चित होंगे क्योंकि परिसीमन की प्रक्रिया जनसंख्या के आधार पर होगी।

स्टालिन ने केंद्र सरकार पर लगाया आरोप स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार त्रि-भाषा नीति को दबाव के तहत लागू करने की योजना बना रही है और इसी तरह परिसीमन कवायद में वह तमिलनाडु के लिए सीटों की संख्या में कटौती करने का प्रयास कर रही है। इस पृष्ठभूमि में प्रस्तावित परिसीमन कवायद पर पांच मार्च को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जा रही है और 40 में से अधिकतर दलों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। कुछ दलों ने कहा है कि वे इसमें भाग नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री ने ऐसे दलों से अपील की है कि वे इस मुद्दे को राजनीति के चश्मे से न देखें।

इससे पहले अपने 72वें जन्मदिवस के मौके पर तमिलनाडु सीएम ने अपनी पार्टी के कैडर से अपील करते हुए कहा कि था कि आज तमिलनाडु दो अहम चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें से एक है भाषा की लड़ाई, जो हमारी जीवनरेखा है। वहीं दूसरी लड़ाई है परिसीमन की, जो हमारा अधिकार है। मैं आपसे अपील करता हूं कि इस लड़ाई के बारे में लोगों को बताया जाए।

भाजपा और तमिल मनीला कांग्रेस बैठक में नहीं होगी शामिल भाजपा और पूर्व केंद्रीय मंत्री जी के वासन के नेतृत्व वाली पार्टी तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) ने कहा कि वह बैठक में भाग नहीं लेगी। स्टालिन ने कहा कि मैं उनसे अपील करना चाहूंगा कि कृपया इस पर विचार करें। यह द्रमुक और आपकी पार्टी के बीच का मुद्दा नहीं है। उन्होंने अपील की कि यह मुद्दा तमिलनाडु और उसके हितों एवं अधिकारों के बारे में है। स्टालिन ने कहा कि, इसलिए जिन दलों ने घोषणा की है कि वे भाग नहीं लेंगे, उन्हें भी इसमें भाग लेना चाहिए।

दिग्विजय को खबर तक नहीं लगी, यूपी में बिक गई 55 लाख की जमीन

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की जमीन को लेकर यूपी में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पूर्व सीएम की जमीन का किसी ने फर्जी तरीके से बैनामा करा लिया। जमीन के फर्जी बैनामे की जानकारी पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह को भी नहीं हुई। प्रशासन को जब इस मामले का पता चला तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में जांच शुरू कर दी गई है। माना जा रहा है कि शीघ्र ही जांच पूरी कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। पूरा मामला आलापुर थाना क्षेत्र के रामनगर महुवर गांव का है। यहां मौजूद मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की जमीन का फर्जी तरीके से दूसरे लोगों ने बैनामा करा लिया गया। केयर टेकर अनिल यादव के अनुसार 1962 में संबंधित भूखंड मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की मां के नाम दर्ज था। वर्ष 1986 में उनका देहांत हो गया।2024 में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नाम वरासत चढ़ गई। इस बीच बीते दिनों ही गांव के ही कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से संबंधित भूखंड का अपने नाम बैनामा करा लिया। इसकी भनक तक केयरटेकर को नहीं लग सकी। गत दिवस जब संबंधित लोगों ने निर्माण कार्य प्रारंभ कराया, तो इसकी जानकारी केयरटेकर को हुई। उसने तत्काल मामले की जानकारी पूर्व मुख्यमंत्री को देने के साथ ही जिला प्रशासन व आलापुर पुलिस को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन तत्काल हरकत में आया और संबंधित भूखंड पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया। इस बीच डीएम अविनाश सिंह ने पूरे मामले की जांच का आदेश एसडीएम आलापुर को दी। रविवार को मामले की जांच प्रशासन ने शुरू कर दी। एसडीएम आलापुर सुभाष सिंह ने बताया कि संबंधित लेखपाल से अभिलेखों की जांच कराए जाने का निर्देश दिया गया है। शीघ्र ही जांच रिपार्ट डीएम को सौंप दी जाएगी।हंसवर थाना क्षेत्र के केवटला गांव निवासी रामहरक चौहान ने वर्ष 1989 में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का मुख्तारे-ए-आम बनकर जमीन को सेवानिवृत्त अपर पुलिस अधीक्षक जियालाल, राजबहादुर पुत्रगण शिवप्रसाद व मंगली पुत्र मद्धू निवासीगण रामनगर महुअर के नाम बैनामा कर दिया था। वर्तमान में जमीन कीमत लगभग 55 लाख रुपए है। जिस समय जमीन को पूर्व मुख्यमंत्री का मुख्तारे-ए-आम बनकर बेचा गया, उस समय जमीन उनके नाम भी नहीं हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री के नाम जमीन 18 मई 2024 को हुई थी। मुख्तारे-ए-आम बन कर जमीन बेचने वाले का देहान्त हो चुका है।

ड्यूटी पर सोते हुए फोटो खींचने पर गुस्साया सुरक्षा गार्ड, साथी को मारी गोली

इंदौर। इंदौर में एक ज्वेलरी शॉप के सिक्योरिटी गार्ड ने अपने साथी को गोली मार कर घायल कर दिया, क्योंकि उसने ड्यूटी पर सोते हुए उसका फोटो खींच लिया था। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आनंद यादव ने बताया कि भंवरकुआं क्षेत्र में ज्वेलरी की दुकान पर हुई गोलीबारी के सिलसिले में पुलिस ने आरोपी प्रमोद पांडे (56) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पांडे शनिवार रात को दुकान के बाहर ड्यूटी के दौरान सो रहे थे, तभी दुकान के सेल्समैन संजय जगताप (49) ने उनकी फोटो खींच ली और कर्मचारियों के लिए बने वाट्सऐप ग्रुप पर पोस्ट कर दी।

एफआईआर का आदेश रद्द कराने हाईकोर्ट पहुंचीं पूर्व सेबी चीफ माधबी पुरी बुच

मुंबई। पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अन्य ने कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बॉम्बे हाईकोर्ट पूर्व सेबी प्रमुख व अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं पर 4 मार्च को सुनवाई करेगा। एसीबी तब तक विशेष अदालत के आदेश पर कार्रवाई नहीं करने को कहा गया है।इससे पहले, मुंबई की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा। मामले में 30 दिनों के भीतर स्टेटस रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। अदालत ने आदेश में यह भी कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। आदेश में कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है। माधबी बुच के अलावा जिन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है

रोहित शर्मा को 'मोटा' बोलने पर बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी, डॉ. शमा को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस की प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने हाल ही में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाए थे। शमा ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड मैच के बाद रोहित को मोटा कहा था। रोहित को मोटा कहने पर भारी बवाल हो रहा है। वहीं, अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित को मोटा बोलने पर चुप्पी तोड़ी है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कांग्रेस प्रवक्ता की क्लास लगाई है। उन्होंने इसे ओछा बयान करार देते हुए कहा कि राष्ट्रहित को ताक पर नहीं रखना चाहिए। रोहित ब्रिगेड मंगलवार को दुबई में ऑस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल में भिड़ेगी। सैकिया ने सोमवार को एक न्यूज एजेंसी से कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा ओछा बयान दे रहा है, जब टीम इतना महत्वपूर्ण आईसीसी टूर्नामेंट खेल रही है। इससे व्यक्ति या टीम का मनोबल गिर सकता है। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं और नतीजे सामने हैं। उम्मीद है कि लोग प्रचार पाने के लिए राष्ट्रहित को ताक पर रखकर इस तरह की ओछी बयानबाजी से बाज आएंगे।

कांग्रेस ने शमा की टिप्पणी से किनारा कर लिया कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. शमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा था कि रोहित एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि रोहित को वजन कम करने की जरूरत है! ...और निश्चित रूप से भारत के अब तक के सबसे अप्रभावी कप्तान। हालांकि, बवाल होने के बाद शमा ने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। कांग्रेस ने रोहित को लेकर शमा की टिप्पणी से किनारा कर लिया। कांग्रेस ने स्वीकार किया कि प्रवक्ता ने मर्यादा का उल्लंघन किया। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने जारी बयान में कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने एक क्रिकेट दिग्गज के बारे में कुछ टिप्पणियां की हैं जो पार्टी के विचार को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। उन्हें सोशल मीडिया एक्स से इस पोस्ट को हटाने के लिए कहा गया है और भविष्य में इस तरह का कोई भी बयान देने से सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खेल दिग्गजों के योगदान को सर्वोच्च सम्मान देती है और उनकी विरासत को कमजोर करने वाले बयान का समर्थन नहीं करती है।

खेल मंत्री बोले- कम से कम खिलाड़ियों को तो छोड़ दें केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी और फिटनेस के स्तर पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद पर निशाना साधाते हुए इसे बेहद शर्मनाक और पूरी तरह से दयनीय करार दिया। मांडविया ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस और टीएमसी को खिलाड़ियों को तो छोड़ देना चाहिए क्योंकि वे अपने पेशेवर जिंदगी को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने कहा, इन पार्टियों के नेताओं द्वारा खिलाड़ी के शरीर को लेकर की गयी टिप्पणी और टीम में जगह को लेकर उठाये गये सवाल न

केवल बेहद शर्मनाक है बल्कि पूरी तरह से दयनीय भी है। खेल मंत्री ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और त्याग को कमतर आंकती हैं जो वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए करते हैं।

शहर की संपत्ति के रिकार्ड अपडेट होंगे, 194 करोड़ से होगा भूमि सर्वेक्षण

इंदौर। इंदौर समेत देश के 152 और प्रदेश के 10 शहरों में नक्शा परियोजना की शुरूआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले सप्ताह रायसेन से इसकी शुरूआत की, जहां ड्रोन उड़ाकर इस परियोजना को हरी झंडी दी गई। इस पहले शहरी भूमि सर्वेक्षण के लिए 194 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे शहरी संपत्तियों का रिकॉर्ड अपडेट रहेगा और उसे डिजिटल किया जाएगा। इस पहल से भूमि प्रशासन में पारदर्शिता आएगी और जमीनों से जुड़ी धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी।

नक्शा परियोजना का मुख्य उद्देश्य शहरी भूमि रिकॉर्ड का निर्माण और उनके प्रबंधन में सुधार करना है। अभी देशभर के विभिन्न राजस्व न्यायालयों में लाखों प्रकरण लंबित हैं, जो भूमि विवादों से जुड़े हैं। जिस प्रकार ग्रामीण आबादी को लाभ देने के लिए इस तरह की पहल की गई थी, उसी तरह नक्शा परियोजना शहरी भूमि रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण की दिशा में एक अहम कदम है। इससे नागरिकों के संपत्ति अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह पायलट प्रोजेक्ट देश के 26 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा, जिसमें कुल 152 शहर शामिल किए गए हैं। पहली बार देश में शहरी भूमि रिकॉर्ड्स का डिजिटलीकरण संभव होगा, जिससे संपत्ति से जुड़ी धोखाधड़ी पर रोक लगेगी और भूमि रिकॉर्ड्स में पारदर्शिता आएगी। यह परियोजना डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत केंद्रीय भूमि संसाधन विभाग द्वारा शुरू की गई है।

शहरी भूमि रिकॉर्ड के निर्माण और प्रबंधन में सहायता मिलेगी इस योजना के तहत 141 जिलों के 152 शहरों में आधुनिक भूमि सर्वेक्षण होगा, जिससे शहरी भूमि रिकॉर्ड के निर्माण और प्रबंधन में सहायता मिलेगी। यह सर्वेक्षण अत्याधुनिक जीआईएस तकनीक के माध्यम से किया जाएगा, जिससे सटीक और व्यापक भू-स्थानिक डेटाबेस तैयार होगा। हवाई और जमीनी सर्वेक्षण को जोड़कर भूमि प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। इससे संपत्ति स्वामित्व के रिकॉर्ड व्यवस्थित और पारदर्शी होंगे, जिससे शहरी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, शहरी क्षेत्रों के लिए भू-स्थानिक मैपिंग करने से अदालतों में लंबित मामलों के समाधान, कानूनी दस्तावेजों की सटीकता और ऐतिहासिक भूमि डेटा विश्लेषण में भी सहायता मिलेगी। इस पहल से संपत्ति कर संग्रहण में भी सुधार होगा, जिससे शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी।

आसानी से मिलेगा लोन यह योजना संपत्ति लेन-देन और ऋण प्राप्ति की प्रक्रिया को सरल बनाएगी। साथ ही, रियल एस्टेट सेक्टर को भी इससे काफी लाभ मिलेगा। डिजिटल भूमि प्रबंधन प्रणाली से आम नागरिकों का भरोसा बढ़ेगा और संपत्ति धोखाधड़ी की घटनाओं में कमी आएगी। इस सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश के 9 जिलों के 10 शहरों को शामिल किया गया है, जिनमें शाहगंज, छनेरा, अलीराजपुर, देपालपुर, धार कोठी, मेघनगर, माखन नगर, विदिशा, सांची और उन्हेल प्रमुख हैं। सटीक भूमि डेटा से बेहतर प्लानिंग, बुनियादी ढांचे का विकास, शहरी विस्तार, परिवहन योजनाओं और आवासीय परियोजनाओं को गति मिलेगी। इसके अलावा, आपदा प्रबंधन योजनाओं को भी अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। शुरूआत में यह पायलट प्रोजेक्ट 26 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एक वर्ष तक संचालित किया जाएगा। इसके बाद अन्य जिलों और शहरों तक इसका विस्तार किया जाएगा। इस परियोजना से शहरी भूमि प्रशासन अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनेगा, जिससे देशभर में भूमि संबंधी मामलों को सुव्यवस्थित करने में सहायता मिलेगी।

डॉक्टर को बैडमिंटन खेलने के बाद आया हार्टअटैक, मौत परिवार ने किया नेत्रदान

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध आई स्पेशलिस्ट डॉ. अनुराग श्रीवास्तव का सोमवार को अचानक निधन हो गया। वे सुबह बैडमिंटन खेलते समय अचानक बेहोश हो गए और उन्हें बचाया नहीं जा सका। बताया जा रहा है कि उनकी मृत्यु कार्डियक अरेस्ट से हुई। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव बैडमिंटन के अच्छे खिलाड़ी थे और नियमित रूप से सयाजी क्लब में खेलने जाते थे। सोमवार सुबह भी वे क्लब पहुंचे और दो राउंड खेले। खेल के दौरान उन्हें कुछ असहज महसूस हुआ, जिसके बाद वे सुबह करीब 8 बजे कुर्सी पर बैठ गए। कुछ ही क्षणों में वे बेसुध हो गए।

मौके पर मौजूद उनके साथी और नजदीकी डॉक्टर डॉ. विक्रम गुप्ते ने तुरंत उन्हें सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्हें तुरंत मेदांता हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉ. विक्रम गुप्ते ने बताया कि डॉ. श्रीवास्तव को पहले से कोई हार्ट संबंधी समस्या नहीं थी। करीब दो-तीन महीने पहले उन्होंने स्पाइन सर्जरी करवाई थी, लेकिन वे पूरी तरह स्वस्थ थे।

परिवार की सहमति से किया नेत्रदान उनके निधन के बाद परिवार ने उनके नेत्रदान का निर्णय लिया। एमवाय हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने उनके नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की। यह समाज के लिए एक प्रेरणादायक कदम है, जिससे किसी जरूरतमंद को रोशनी मिल सकेगी।

स्वीडन में हैं पत्नी और बड़ा बेटा डॉ. अनुराग श्रीवास्तव की पत्नी स्वीडन में डायटिशियन हैं और उनका बड़ा बेटा वहीं एक स्टार्टअप चला रहा है। उनकी मां भी स्वीडन में बेटे के साथ ही रहती हैं। छोटा बेटा प्रांजल भोपाल में डॉक्टर है। घटना की सूचना परिवार को दे दी गई है और परिजन जल्द ही इंदौर पहुंचने वाले हैं। डॉ. श्रीवास्तव की अचानक मौत से चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। उन्हें एक कुशल डॉक्टर और दयालु व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। उनके मित्रों और सहकर्मियों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

पीथमपुर में यूका कचरा जलाने का पहला चरण पूरा, दूसरा चरण आज से

इंदौर। भोपाल की फैक्टरी से पीथमपुर लाया गए 337 टन यूनियन कार्बाइड कचरे में से दस टन कचरा आग के हवाले कर दिया। इतनी मात्रा के कचरे के निपटान में तीन दिन का समय लगा। इसके साथ ही ट्रायल रन का पहला चरण पूरा हुआ।अब दूसरा चरण मंगलवार से शुरू होगा, जो तीन दिन तक चलेगा। कचरा जलाने के दौरान निकल रही गैसों की मात्रा, आसपास के वातावरण पर होने वाले असर पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अफसर व वैज्ञानिक नजर रखे हुए है। उसकी रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश की जाएगी। पहले चरण में किसी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई। इस वजह से तीन चरण पूरे होने के बाद भी कचरा जलाने का काम जारी रहेगा। पीथमपुर के रामकी कंपनी के भस्मक में बीते तीन दिनों से रात दिन जहरीले कचरे का निपटान हो रहा है। सोमवार रात तक दस टन कचरे का निपटान हो गया। दस टन कचरे की रिपोर्ट निगरानी कर रहे विशेषज्ञ तैयार कर रहे है। उसे अगली सुनवाई पर हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। कचरे को जलाने के लिए दो शिफ्टों में काम चल रहा है। तीन से ज्यादा कर्मचारी कचरे के निपटान में जुटे है। दस्ताने, मास्क व अन्य सुरक्षा के साथ कर्मचारी कचरे के पैकेट लगातार दहन कक्ष में डाल रहे है। उधर हर घंटे जलाए गए कचरे के दौरान निकल रही गैसों की निगरानी भी रखी जा रही है और उसे नोट भी किया जा रहा है।

दंपति में विवाद, पति ने खुद को गोली मारी, मौत

इंदौर। बाणगंगा में सोमवार शाम दंपती के बीच विवाद के बाद पत्नी ने जहर खा लिया। इसके बाद पति ने भी खुद को गोली मार ली। दरवाजा खोलने पर घटना की जानकारी लगी। पुलिस ने पति के शव को अरविंदो भेजा है। वहीं पत्नी का आईसीयू में उपचार चल रहा है। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना गणेश धाम कालोनी में शाम 5 बजे के लगभग की है। कंट्रोल रूम पर सूचना मिली थी कि अजब सिंह पुत्र अमृत सिंह राजपूत ने खुद को घर पर 12 बोर की बंदूक से गोली मार ली। इस दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं पत्नी बबीता ने जहर खा लिया है। उसकी हालत गंभीर है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बबीता को अस्पताल भेजा गया। वही अजब सिंह की मौत की पुष्टि होने पर अफसरों को मामले की जानकारी दी गई।

फैक्ट्री में काम पर गया हुआ था बेटा अजब सिंह निजी कंपनी में मोल्डिंग का काम करता था। परिवार में दो बेटे शुभम और अनुज राजपूत है। शुभम दोपहर में फैक्ट्री पर काम से गया था। वही अनुज बीना के पास गांव में है। पुलिस ने शुभम से बात की तो उसने बताया कि घर पर माता-पिता के बीच क्या हुआ इस बात की उसे जानकारी नहीं है।

पुश्तैनी थी बंदूक अजब सिंह का परिवार मूल रूप से बीना का रहने वाला है। करीब 5 साल पहले काम को लेकर परिवार इंदौर आया था। जिस बंदूक से अजब सिंह ने सुसाइड किया वह उसके पिता की लाइसेंसी बंदूक थी। पुलिस ने उसे जब्त कर लिया है। मंगलवार को अजब सिंह का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पत्नी बबीता अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है।

पांच हजार वर्गफीट पर तान दिया था अवैध बंगला, निगम ने किया जमींदोज

इंदौर। शहर में अवैध निमार्णों के खिलाफ नगर निगम ने मुहिम छेड़ रखी है। इसके अंतर्गत खजराना क्षेत्र में पांच हजार वर्गफीट क्षेत्रफल में बना अवैध बंगला सोमवार को तोड़ दिया गया। इस बंगले के निर्माण के लिए न नक्शा मंजूर किया गया था और न ही निगम जोन पर सूचना दी गई थी। दो माह पहले इसे हटाने के लिए नोटिस जारी किया था, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने न तो निर्माण हटाया और न ही निर्माण को रोका। इसके बाद नगर निगम की टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंच कर भवन मालिक को मकान खाली करने के लिए कहा, लेकिन निर्माणकर्ता ने विरोध शुरू कर दिया, लेकिन पुलिस बल मौजूद होने के कारण मकान तोड़ने का काम नहीं रुका। अफसरों ने दो घंटे में मकान के अवैध हिस्से को तोड़ दिया। अब अफसर अवैध निर्माण करने वाले से तोड़ने का शुल्क भी वसूलेंगे। नगर निगम खजराना क्षेत्र में स्टार चौराहा से खजराना तक सड़क भी चौड़ी कर रहा है। इसका भूमिपूजन पिछले दिनों मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने किया था। इस सड़क की चौड़ाई की जद में भी पचास से ज्यादा निर्माण आ रहे है। इसके लिए भी नोटिस जारी हो चुके है। जल्दी ही निर्माण तोड़े जाएंगे। खजराना क्षेत्र में रात के समय ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।

रोजगार मेले में 652 युवाओं को नौकरी, 1334 ने लिया भाग

इंदौर। राज्य शासन और जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार बेरोजगार युवक-युवतियों को एक ही स्थान पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन किया गया। यह मेला ग्रामीण हाट बाजार, इंदौर में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित निजी कंपनियों ने भाग लिया। इस मेले के माध्यम से 652 युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्रदान किया गया। इस मेले में कुल 1334 युवक-युवतियों ने भाग लिया, जहां उन्हें विभिन्न कंपनियों में रोजगार पाने का अवसर मिला। मेले में प्रमुख रूप से श्याम ऑटोमोटिव, टाटा मोटर, मोजेक वर्क स्कील, पटेल मोटर्स, श्याम मेटल, लैण्डकार्म ग्रुप, डी.टी. इंडस्ट्रीज, जॅस्ट डॉयल सहित कुल 45 कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप संचालक रोजगार पी.एस. मंडलोई ने बताया कि इस मेले में भाग लेने वाली कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार लेकर कुल 652 युवाओं का प्रारंभिक रूप से चयन किया। इनमें 92 युवतियां और 560 युवक शामिल हैं। यह चयन सेल्स एग्जीक्यूटिव, टेली कॉलर, पैकिंग, सेल्स, टीम लीडर, ड्राइवर, बैकऑफिस, हेल्पर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर आदि विभिन्न पदों के लिए किया गया।

रोजगार मेले में स्वरोजगार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किया गया। जिला उद्योग केंद्र द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 73 आवेदकों को शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन दिया गया। उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने तथा प्रकरण तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा, शासन की अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 57 आवेदकों का चयन कर उन्हें विभिन्न कंपनियों में भेजा गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र इंदौर के महाप्रबंधक एस. एस. मंडलोई और संभागीय आईटीआई के प्राचार्य जी. एस. शाजापुरकर ने सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

एक महीने में 671 रोड एक्सीडेंट, एंबुलेंस 108 पर बढ़ रहा दबाव

इंदौर। इंदौर में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे 108 एंबुलेंस सेवा पर दबाव बढ़ गया है। जनवरी के महीने में इस सेवा के माध्यम से 671 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जो विभिन्न दुर्घटनाओं में घायल हुए थे। इसके अलावा, 2662 मरीजों को 108 एंबुलेंस सेवा द्वारा 15 से 20 मिनट के भीतर स्वास्थ्य लाभ दिलाया गया। वहीं, अस्पताल से मरीजों को लाने और ले जाने की सुविधा 1822 लोगों को प्रदान की गई। 108 एंबुलेंस सेवा के साथ-साथ 54 जननी सुरक्षा एंबुलेंस भी शहर और ग्रामीण इलाकों में अपनी सेवाएं दे रही हैं। इनमें से 34 एंबुलेंस ग्रामीण क्षेत्रों में और 20 शहरी क्षेत्रों में तैनात हैं। इनमें 7 एंबुलेंस ऐसी हैं जो कार्डियक अरेस्ट और अन्य गंभीर मामलों के लिए पूरी तरह से सुसज्जित हैं। हालांकि, इंदौर की बढ़ती आबादी और दुर्घटनाओं की संख्या को देखते हुए यह सेवा अपर्याप्त मानी जा रही है।

शहरी क्षेत्रों में ज्यादा दुर्घटनाएं आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 108 एंबुलेंस सेवा का सबसे अधिक उपयोग गर्भवती महिलाओं और सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए मरीजों के लिए किया गया है। जनवरी में 921 गर्भवती महिलाओं को जननी सुरक्षा एंबुलेंस द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, 671 मरीज सड़क दुर्घटनाओं और अन्य हादसों में घायल होने के कारण अस्पताल भेजे गए। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी इलाकों में हादसों की संख्या अधिक देखी गई है। शहरी क्षेत्रों में हार्ट अटैक, मिर्गी और सड़क दुर्घटनाओं के 352 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जहां मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा सक्रिय रही।

108 सेवा ने जहर खाने वाले 42 मरीजों की जान बचाई आपातकालीन स्थिति में 108 एंबुलेंस सेवा के साथ-साथ जननी सुरक्षा और बेसिक मेडिकल सुविधाओं से लैस एंबुलेंस भी काम कर रही हैं। जननी सुरक्षा योजना के तहत 18 वाहन गर्भवती महिलाओं के लिए तैनात किए गए हैं। जनवरी के आंकड़ों पर नजर डालें तो पेट से जुड़ी बीमारियों के 125 मरीजों को अस्पताल पहुंचाया गया। हार्ट अटैक के 58 मामले सामने आए, जबकि 42 लोग जहर खाने के कारण अस्पताल लाए गए, जहां समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बचाई जा सकी। इसके अलावा, स्ट्रोक और श्वसन संबंधी समस्याओं के 70 से अधिक मरीजों को 108 एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया। नवजात शिशुओं की गंभीर स्थिति या कुपोषण के मामलों में भी इस सेवा का उपयोग किया गया। बीते महीने ऐसे 106 मामले सामने आए थे, जिनमें नवजातों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया। इंदौर में बढ़ते हादसों और आपातकालीन स्थितियों को देखते हुए चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करना आवश्यक हो गया है। 108 एंबुलेंस सेवा शहर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, लेकिन बढ़ती जरूरतों को देखते हुए इसमें और सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग की प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

आज उद्घाटन समारोह में आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आएंगे

भोपाल। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विद्या भारती के 5 दिवसीय अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का शुभारंभ सोमवार को शारदा विहार भोपाल में हुआ। इस अवसर पर तीन विशेष प्रदर्शनी-संस्कृति, डिजिटल उपलब्धियां और शिशु वाटिका का उद्घाटन मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा किया गया। इस आयोजन में विद्या भारती के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। मंगलवार को कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आएंगे। प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के बाद मंत्री विश्वास सारंग ने मीडिया से चर्चा में विद्या भारती के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल शिक्षा प्रदान नहीं कर रहे, बल्कि वे संस्कार केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि यह अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

देशभर से 700 से अधिक कार्यकर्ता भाग लेंगे विद्या भारती द्वारा आयोजित यह 5 दिवसीय अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का शुभारंभ मंगलवार को सुबह 9 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत द्वारा किया जाएगा। इस अभ्यास वर्ग में देशभर से 700 से अधिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

तीन विशेष प्रदर्शनियों का आयोजन संस्कृति प्रदर्शनी - वीरांगनाओं और धरोहरों का सम्मान। इस प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती और वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती के अवसर पर उनके शौर्य, व्यक्तित्व और योगदान को प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही, मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक धरोहरों की महत्ता को दशार्ने वाली प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

डिजिटल उपलब्धियां प्रदर्शनी - आधुनिक शिक्षा की झलक। इस प्रदर्शनी में विद्या भारती द्वारा बालक-बालिका के सर्वांगीण विकास के लिए की जाने वाली डिजिटल गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों एवं शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी गई है।

शिशु वाटिका प्रदर्शनी -खेल-खेल में शिक्षा। विद्या भारती द्वारा संचालित 12 शैक्षिक व्यवस्थाओं को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने की अवधारणा पर विशेष जोर दिया गया है।

हर्षा रिछारिया ने अपने 55 फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ की शिकायत

भोपाल। प्रयागराज महाकुंभ से चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया ने भोपाल साइबर क्राइम थाने में फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इन अकाउंट्स से उनके नाम पर धोखाधड़ी, स्कैम और एआई की मदद से आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बनाए जा रहे हैं। इससे परेशान हर्षा रिछारिया ने आत्महत्या की भी धमकी दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हर्षा रिछारिया को सबसे अधिक प्रसिद्धि प्रयागराज महाकुंभ से मिली है। यहां से वायरल होने के बाद वे इंटरनेट सेंसेशन बन गईं। अब वे ऑनलाइन उत्पीड़न का शिकार हो रही हैं। कई फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल उनके नाम से बनाई गई हैं, जिनका इस्तेमाल धोखाधड़ी और स्कैम के लिए किया जा रहा है। इन प्रोफाइल से फर्जी विज्ञापन बनाकर पैसे मांगे जा रहे हैं। वहीं, हर्षा रिछारिया ने कहा कि मेरे नाम से फर्जी अश्लील वीडियो बनाए जा रहे हैं। इसकी वजह से उनकी छवि खराब हो रही है। हर्षा ने भोपाल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में लगभग 55 ऐसे फर्जी अकाउंट्स की जानकारी देते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

हर्षा ने बताया कि महाकुंभ के बाद से ही उनके नाम से फर्जी अकाउंट्स बनाए जा रहे हैं। इन अकाउंट्स से तरह-तरह के स्कैम और फ्रॉड किए जा रहे हैं। हर्षा के मुताबिक कई विज्ञापनों के वीडियो बनाए जा रहे हैं और पैसे की डिमांड भी की जा रही है। इसके अलावा अक का इस्तेमाल कर गंदे फोटो, वीडियो बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने पुलिस से अपील की है कि दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए। हर्षा को उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही न्याय मिलेगा। इससे पहले, हर्षा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आत्महत्या करने की धमकी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ लोग उनकी बढ़ती लोकप्रियता से जलकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। हर्षा ने कहा था कि मेरे करीबी लोगों ने ही यह काम किया है। मैं सुसाइड नोट में उन सभी लोगों का नाम लिखकर जाऊंगी।

मैं साध्वी नहीं हूं उन्होंने कहा कि मैं बता दूं कि मैंने कभी ऐसा नहीं बोला कि मैं साध्वी हूं, मेरा एक प्रोफेशन था, जिसमें मैं काम करती थी। ये लोग इस हद तक उतर आए कि अक से फेक वीडियो एडिट कराए। पिछले 10-15 दिनों से सकुर्लेट करा रहे हैं। रोज 25-30 मैसेज आ रहे हैं। हर्षा ने यह भी कहा कि वो अपने धार्मिक कार्यों को जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि मैं अपने फैसले पर अडिग हूं, जब तक मेरी सांसें चलेंगी, मैं सनातन धर्म के लिए काम करूंगी, लेकिन कुछ लोगों को एक लड़की का आगे बढ़ना नहीं देखा जा रहा, इनके नाम मेरे पास आ चुके हैं। हर्षा मूल रूप से भोपाल, मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं, लेकिन वर्तमान में उत्तराखंड में रहती हैं। महाकुंभ के दौरान निरंजनी अखाड़े की पेशवाई में संतों के साथ रथ पर बैठी हुई उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। उनके अनोखे लुक ने उन्हें रातों-रात प्रसिद्ध कर दिया। इंस्टाग्राम पर उनके 18 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। मीडिया से बात करते हुए साइबर थाने के प्रभारी लखन सिंह ने कहा कि 27 फरवरी को हर्षा की शिकायत दर्ज की गई और 2 मार्च को उनका बयान लिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है

रेप-छेड़छाड़ के मामले घटे

सीएम बोले-समाज में बच्चे,किशोर, बालिकाओं की सुरक्षा से ही भारत का भविष्य

भोपाल। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा है कि जिस समाज में बच्चे, किशोर, बालिकाएं अगर सुरक्षित हैं तभी भारत का भविष्य है। कई बार मेरे मन में प्रश्न आता है कि भगवान श्री राम को जब विश्वामित्र जी राम लक्ष्मण को मांगने आए थे। उस समय उनकी आयु 11 साल थी। उस समय विश्वामित्र जी ने दशरथ जी की सेना क्यों नहीं मांगी, बच्चों को ही क्यों लिया? उनका ये निर्णय हम सबके लिए रहस्य है। यह बात मुख्यमंत्री ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की राज्य स्तरीय कार्यशाला में कही। सीएम ने कहा कि 2024 में महिलाओं-बच्चों से रेप, छेड़छाड़ के मामले घटे हैं। कार्यशाला में महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्रविंद्र मोरे, शिक्षा विभाग के डीईओ, डीपीसी, महिला बाल विकास विभाग के डीपीओ, ट्राइबल विभाग के एसी और बाल कल्याण समितियों के अध्यक्ष और सदस्य, जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सदस्य मौजूद रहे।

एमपी में बच्चों के आपराध में मृत्युदंड का प्रावधान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एमपी ही वो राज्य था जिसने महिलाओं खासकर बच्चों के प्रति इस प्रकार के अपराधों में मृत्युदंड का प्रावधान किया है। 2018 से 2024 के बीच देखें तो सरकार की सख्ती दिखाई देती है। यही कारण है कि लगभग 48 मामलों में कोर्ट ने मृत्युदंड का निर्णय दिया। सीएम ने कहा जिस समाज में बच्चे, किशोर, बालिकाएं अगर सुरक्षित हैं तभी भारत का भविष्य है।

सरकार और समाज मिलकर जागृति लाए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रामायण हमें बताती है कि सही व्यक्ति पर, सही दृष्टि, सही प्रकार से पड़ जाए तो दुनियां कहां से कहां पहुंच जाती है। आज महिलाओं, बालिकाओं के प्रति होने वाले अन्याय के खिलाफ सरकार और समाज मिलकर जागृति लाए। बाल आयोग जो बताएगा हम उसमें पूरी तरह से तैयार है। लेकिन, सच्चे अर्थों में रामायण बनने की शुरूआत ही वहीं से होती है। जब वे राम-लक्ष्मण को ले जाते हैं तो बाल मन जिज्ञासु होकर पूछता है कि ये क्या है तो विश्वामित्र जी बताते हैं कि ये ऋषि मुनियों की हड्डियों के ढेर हैं। उनके ऊपर तमाम अत्याचार करके हड्डियों का ढ़ेर बना दिए गए। जैसे ही उनको पता चलता जाता वैसे ही सच्चे अर्थों में यथार्थ के जीवन से उनका परिचय होता जाता है। वे पुरुषार्थी थे तो उन्होंने उन कष्टों को खत्म किया। वो गए कहां थे और पहुंच कहां गए? ये दृष्टि समाज और समाज के माध्यम से गुरु की है। ये समाज की चेतना है कि समाज में उठने वाले सवालों के समाधान का रास्ता कैसे मिलता है ये रामायण हमें बताती है।

समाजसेवा का अवसर बार-बार नहीं मिलता इस दौरान महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि बच्चों को न्याय दिलाने के लिए जिन्हें जिम्मेदारी दी गई है। मैं उनसे कहना चाहती हूं कि समाजसेवा का अवसर बार-बार नहीं मिलता। अपनी पूरी सजगता से बच्चों का संरक्षण हो ये ध्यान रखें। अनाथ बच्चा कहां जाएगा उसका पुनर्वास कहां होगा? ये अधिकार आप लोगों के पास है इस अधिकार से बच्चों के अधिकार संरक्षण का काम करें। जरूरतमंद बच्चे जो आप तक नहीं आ पाए उन तक आप पहुंचें। बच्चे ईश्वर का रूप होते हैं। वह देश का भविष्य हैं यदि हमें प्रधानमंत्री मोदी जी के अनुरुप देश का भविष्य स्वर्णिम बनाना है तो आज के बच्चों के वर्तमान और भविष्य को भी संवारना होगा।

मंत्री के बयान के खिलाफ सभी जिला मुख्यालयों पर कल कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

भोपाल। राजगढ़ के सुठालिया में मप्र के पंचायत एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने लोधा-लोधी समाज सम्मेलन में कहा था कि अब तो लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत पड़ गई है। नेता आते हैं, एक टोकना (टोकरी) तो कागज मिलते हैं उनको। मंच पर माला पहनाएंगे और एक पत्र पकड़ा देंगे। यह अच्छी आदत नहीं है। लेने की बजाय देने का मानस बनाएं। मैं दावे से कहता हूं आप सुखी होंगे और एक संस्कारवान समाज को खड़ा करेंगे। मंत्री पटेल के इस बयान के विरोध में अब कांग्रेस 5 मार्च को पूरे मप्र के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन कर पंचायत मंत्री के इस्तीफे की मांग करेगी। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। इधर मंत्री पटेल ने जबलपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जिस कार्यक्रम की बात की जा रही है, वह पूरी तरह से सामाजिक था, कोई राजनीतिक मंच नहीं था। उस कार्यक्रम में मेरे अलावा कांग्रेस के भी नेता मौजूद थे। जीतू पटवारी को अगर कार्रवाई करनी है, तो पहले उन कांग्रेसी नेताओं पर करें, जो मेरे साथ मंच पर थे। जबलपुर में मंत्री प्रहलाद पटेल की प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर कर जीतू पटवारी ने लिखा कि प्रदेशवासियों, दंभ अपनी बात दोहरा रहा है और इस बार भी बहुत साफ तौर पर कह रहा है कि मैंने पहले भी कहा है और भविष्य में कहता रहूंगा। मतलब यह है कि अपने हक और न्याय की मांग को लेकर बीजेपी के मंत्रियों के पास जाने वाली मप्र की जनता भिखारी थी, भिखारी है और भिखारी ही बनी रहेगी। यदि यह सच है तो सीएम हेल्पलाइन और जन सुनवाई जैसी नौटंकी को भी बंद कर देना चाहिए। क्योंकि, वहां भी भाजपा को आवेदन के साथ जनता भिखारी ही दिखती होगी। मोहन सरकार के साथ नरेन्द्र मोदी सत्ता के खिलाफ हम पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन करेंगे और भाजपा के अहंकार को जमीन पर लाएंगे।

अभी नहीं टूटेंगे मोतीनगर बस्ती के 384 मकान, हाईकोर्ट ने 4 सप्ताह का स्टे दिया

भोपाल। भोपाल की मोतीनगर बस्ती के 384 मकान अभी नहीं टूटेंगे। जबलपुर हाईकोर्ट ने 4 सप्ताह का स्टे दिया है। अब 1 अप्रैल को सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद सोमवार को प्रशासनिक अफसर मंथन में जुटे रहे। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अफसरों को भी तलब किया। बता दें कि बस्ती वालों ने विस्थापन का लाभ दिए जाने के संबंध में जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने शासन से जवाब मांगा है। 4 हफ्ते बाद अगली सुनवाई होगी। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने बताया, मोती नगर बस्ती वालों का विस्थापन किया जाना चाहिए। याचिका पर हाईकोर्ट ने मोती नगर के मकानों को तोड़ने पर फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। सरकार विस्थापन कर दें तो गरीबों के लिए अच्छी बात रहेगी। सुभाषनगर ब्रिज की थर्ड लेन और रेलवे की थर्ड लाइन के लिए यहां के 384 मकान और 110 दुकानों को तोड़ा जाना है। 9 फरवरी को दुकानें हटा दी गई थी।

सीएम डॉ. यादव ने किया 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

भोपाल। भोपाल में 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुभारंभ किया। बड़े तालाब पर 3 से 7 मार्च तक प्रतियोगिताएं चलेगी। जिसमें देशभर से 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल का यह नजारा इस गेम में चार चांद लगा रहा है। आप कई जगह गए होंगे लेकिन यहां की जैसी खूबसूरती कम ही जगह मिली होगी। पूरे देश से अलग-अलग प्रकार के खिलाड़ी आए हुए हैं। यहां आज लघु सिंहस्थ का नजारा दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने थोड़े दिन पहले ही राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। कुल 9 मेडल जीतकर हम लाए थे। 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं, तब से वे सभी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को बढ़ा रहे हैं।

खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा- वाटर स्पोर्ट्स के मामले में हिंदुस्तान में मध्य प्रदेश का एक अलग स्थान बना है। मुझे इस बात की बहुत प्रसन्नता है कि यहां खेलों का उन्नयन हो रहा है। जब कांग्रेस की सरकार थी तो खेल का बजट केवल 6 करोड़ रुपए हुआ करता था। अब 600 करोड़ का बजट है।

हम 11 एकेडमी चला रहे हैं। हम खिलाड़ियों के लिए नई-नई योजनाएं ला रहे हैं। इस बार नेशनल गेम्स में मध्यप्रदेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वाटर स्पोर्ट्स में भी हम ओवरआल चैंपियन बने हैं।

आज लगभग 600 करोड़ रुपए का बजट है। प्रदेश की सभी विधानसभा में कम से कम एक खेल परिसर जरूर बनाएंगे। खेल विभाग के माध्यम से युवाओं के कल्याण के लिए भी बहुत सारी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता में 23 राज्यों के खिलाड़ी शामिल हुए हैं। प्रतियोगिता के शुभारंभ के बाद मंत्री विश्वास सारंग ने क्रिकेटर रोहित शर्मा पर कांग्रेस प्रवक्ता डॉक्टर शमा मोहम्मद की टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी। कहा- जो लोग कभी खेल के मैदान में नहीं उतरे, वे कांग्रेस नेता हर समय देश का मान बढ़ाने वाले वर्ग को हतोत्साहित करने का काम करते हैं। कांग्रेस की सैनिकों का अपमान और सेना को हतोत्साहित करने की आदत है। कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम बदनाम करने की सुपारी ले रखी है। जो कांग्रेस नेता बयान दे रहे हैं, वे पहले क्रिकेट के मैदान में जाएं। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, कयाकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे, जिससे खेल प्रेमियों को जल क्रीड़ा का रोमांचक नजारा देखने को मिलेगा। इससे पहले सोमवार को प्रतियोगिता मे शामिल हुए खिलाड़ियों ने बड़े तालाब में प्रस्तुतियां दी।

राजधानी में ड्यूटी से गायब एसीपी को डीसीपी ने दी सजा, छिन गए थाने

भोपाल। राजधानी में महाशिवरात्रि के दिन ड्यूटी से गायब रहने पर एसीपी अनीता प्रभा शर्मा पर बड़ी कार्रवाई हुई है। डीसीपी रियाज इकबाल ने उनसे दो थानों, कोतवाली और तलैया, का कार्यभार वापस ले लिया है। यह घटना भोपाल पुलिस कमिश्नरेट में पहली बार हुई है, जब किसी एसीपी से इस तरह का कार्यभार वापस लिया गया हो। कार्रवाई की वजह शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में एसीपी की अनुपस्थिति बताई जा रही है। भोपाल में महाशिवरात्रि के दिन एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई देखने को मिली। शहर में निकलने वाली शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली एसीपी अनीता प्रभा शर्मा ड्यूटी से गायब पाई गईं। इस लापरवाही के चलते डीसीपी जोन 3, रियाज इकबाल ने उन पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके दो थानों का चार्ज वापस ले लिया। अनीता प्रभा शर्मा के पास कोतवाली, तलैया और श्यामला हिल्स, तीन थानों की जिम्मेदारी थी। अब उनके पास सिर्फ श्यामला हिल्स थाने का कार्यभार बचा है।

संवेदनशील इलाकों से गुजर रही थी शोभायात्रा महाशिवरात्रि के दिन शोभायात्रा संवेदनशील इलाकों से होकर गुजर रही थी। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण थी। पुलिस अधिकारियों की तैनाती विशेष सतर्कता के साथ की गई थी। इसी दौरान एसीपी अनीता प्रभा शर्मा की गैरहाजिरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। जब यह बात उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आई, तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई करने का फैसला लिया।

इतिहास में पहली बार ऐसी कार्रवाई डीसीपी रियाज इकबाल ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसीपी अनीता प्रभा शर्मा से कोतवाली और तलैया थाने का कार्यभार वापस ले लिया। यह भोपाल पुलिस कमिश्नरेट के इतिहास में पहली बार हुआ है जब किसी एसीपी के खिलाफ इस तरह की सख्त कार्रवाई की गई हो। इससे पहले किसी भी एसीपी से थाने का कार्यभार वापस नहीं लिया गया था। कोतवाली थाने की जिम्मेदारी अब शाहजहानाबाद के एसीपी निहित उपाध्याय को सौंपी गई है। वहीं, तलैया थाने का कार्यभार हनुमानगंज के एसीपी राकेश बघेल को दिया गया है।

संपादकीय

विनियमन आयोग का गठन करने की सरकार की प्रतिबद्धता

हाल ही में भोपाल में आयोजित हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट में शामिल राज्य विनियमन आयोग पर चर्चा करते हुए कहा था कि पिछले एक दशक में राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण सुधारों को गति दी गई है, अब राज्य और स्थानीय स्तर पर भी सुधारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखा जा रहा है और राज्यों के सहयोग से हाल के वर्षों में 40,000 से अधिक अनुपालन कम किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 1,500 अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि इसका उद्देश्य उन नियमों की पहचान करना है, जो कारोबारी सुगमता के मार्ग में बाधाएं उत्पन्न करते हैं और विनियमन आयोग राज्यों में निवेश के अनुकूल नियामक इको-सिस्टम बनाने में मदद करेगा।

दरअसल प्रधानमंत्री ने विनियमन आयोग का गठन करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नियमों मे कटौती करना और नए निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना है। पुराने नियमन को हटाने की बात कुछ सप्ताह पहले संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा और केंद्रीय बजट में भी कही गई थी। अब महत्त्वपूर्ण बात यह है कि विनियमन का काम कितनी गहराई से और कितने टिकाऊ स्तर पर किया जाएगा। 'जन विश्वास' नामक एक विधेयक पहले ही पारित किया जा चुका है जो कुछ नागरिक अपराधों की आपराधिकता को समाप्त करता है। वादा किया गया है कि ऐसा ही एक अन्य विधेयक लाकर तकरीबन 100 छोटे-मोटे अपराधों की आपराधिकता समाप्त की जाएगी। उनकी जगह जुर्माने की व्यवस्था की जाएगी। ये अहम कदम हैं। परंतु इनकी बदौलत दृष्टिकोण में बदलाव नहीं आएगा बल्कि दशकों से बनी दमनकारी राज्य मशीनरी के दंडात्मक पहलुओं को कम किया जाएगा।

सरकार को नए आयोग से कहना चाहिए कि वह सभी वर्तमान नियमन का व्यापक आकलन करे। उनका हर कोण से आकलन होना चाहिए। पहला, उन्हें जिस उद्देश्य से बनाया गया था क्या वे अभी भी प्रासंगिक हैं? दूसरा, क्या वे उद्देश्य प्राप्ति में सफल रहे? तीसरा, उन्होंने नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों पर क्या लागत डाली। इस लागत की लाभ से तुलना करनी चाहिए ताकि पता चल सके। आदर्श स्थिति में ऐसी कवायद नियमन लाने के पहले पारदर्शी तरीके से अंजाम दी जानी चाहिए। परंतु ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि सरकार या स्वतंत्र नियामकों ने ऐसा किया हो। यह अच्छी आदत नहीं है और अन्य उदार लोकतांत्रिक देशों के विपरीत है। यहां तक कि उच्च नियमन वाले यूरोपीय देशों से भी अलग। नीतिगत बदलावों के सार्वजनिक जोखिम और पुरस्कार आकलन का अभाव और नियम निर्माण की कमी, समग्र नीतिगत ढांचे को नहीं बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है जो अफसरशाही को मजबूत बनाता है। विनियमन आयोग को इस रुख से दूरी बनानी होगी। इस लिहाज से देखे तो आयोग के कर्मचारियों की नियुक्ति एक अहम चयन होगा। इसमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं भर लिया जाना चाहिए जो यही मानते हैं कि विनियमन में सुधार होना चाहिए।

किसी एक विनियमन की लागत चाहे जो भी नजर आए, उसकी वास्तविक लागत निस्संदेह तब अधिक होती है जब यह ढेर सारे कानूनों और प्रतिबंधों के समूह का हिस्सा होता है जो राज्य के रुख को दर्शाता है। समग्रता में यह टुकड़ों की तुलना में अधिक होता है। यह भारत के नियामकीय ढांचे की जटिल और आंतरिक स्तर पर विरोधाभासी स्थिति है जो किसी अन्य चीज से अधिक निवेशकों के उत्साह को कम करने और विनियमन वाले क्षेत्रों में नई पूंजी के निवेश की उनकी इच्छा को कम करती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उदाहरण के लिए विनिर्माण क्षेत्र में ऑनलाइन खुदरा व्यापार या एप अर्थव्यवस्था की तुलना में बहुत कम उत्साह नजर आता है। भले ही पहला क्षेत्र सरकार की प्राथमिकता में हो लेकिन बाद वाले क्षेत्र में नियामक तंत्र बहुत कम दखल देने वाला है। सार्वजनिक निवेश को नई गति देने के लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निवेशक यह मानें कि उनके सामने एक नई पेशकश की जा रही है जो अतीत से अलग है। यह महत्त्वपूर्ण होगा कि सभी राज्य इस मिशन में सहयोग करें ताकि देश को निवेशकों के अनुकूल बनाया जा सके। बीते दशक में और इस सरकार के सत्ता में रहते यह प्रयास बार-बार किया गया है कि कारोबारियों के अनुकूल निवेशक नीतियों को प्राथमिकता के रूप में दर्शाया जाए। विनियमन को अगर सही ढंग से अंजाम दिया गया तो वह इन प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मददगार होगा।

जेलेंस्की को अब भी अच्छा लग रहा युद्ध-युद्ध खेलना

यूक्रेन में भी एक आपदा सरकार चल रही है जिसके राष्ट्रपति हैं वोलोदमीर जेलेंस्की। जेलेंस्की ने पद संभालने के बाद से अपने देश को आपदा में झोंक दिया। रूस के साथ तीन वर्ष से चल रहे युद्ध में यूक्रेन पूरी तरह तबाह हो चुका है। लाखों लोग मारे गये हैं, आधी जनता दूसरे देशों में भाग कर शरणार्थी जीवन गुजार रही है, सारे संसाधन तबाह हो चुके हैं लेकिन जेलेंस्की को युद्ध-युद्ध खेलना अब भी अच्छा लग रहा है। वह अब भी कह रहे हैं कि संघर्षविराम के लिए राजी नहीं होंगे। देखा जाये तो इस युद्ध में यदि यूक्रेन को बड़ी शक्तियों का साथ नहीं मिलता तो वह दो दिन भी मैदान में नहीं टिक सकता था लेकिन जेलेंस्की अब भी यह नहीं समझ पा रहे हैं कि किसी भी देश के लिए उनकी मदद करते रहने की एक सीमा है। जेलेंस्की को समझना होगा कि दो देशों का युद्ध अगर तीसरे विश्व युद्ध में तब्दील हुआ तो पहले ही तमाम चुनौतियों से जूझ रही दुनिया के लिए मुश्किलें और बढ़ जायेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जेलेंस्की को ओवल ऑफिस में मुलाकात के दौरान जिस तरह खरी खरी सुनाई उसकी दुनियाभर में तारीफ हो रही है। हालांकि एक वर्ग अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की ओर से जेलेंस्की के साथ किये गये बर्ताव को अमर्यादित बता रहा है लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि जेलेंस्की की सनक की सजा यूक्रेन के साथ ही पूरी दुनिया को भुगतने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

जहां तक ओवल ऑफिस में अमेरिका और यूक्रेन के राष्ट्रपति के बीच हुई तीखी बहस की बात है तो आपको बता दें कि पहले से ही तनावपूर्ण माहौल में हो रही बैठक में उस समय बड़ा विस्फोट हो गया जब वेंस ने रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान जेलेंस्की ने हाथ जोड़कर प्रतिवाद किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जेलेंस्की ने कहा कि आप किस तरह की कूटनीति की बात कर रहे हैं, जेडी? इस पर वेंस ने पलटवार करते हुए कहा, मैं उस तरह की कूटनीति के बारे में बात कर रहा हूं जो आपके देश के विनाश को रोकेगी। इस दौरान जेलेंस्की ने पुतिन के प्रति उनके नरम रुख को लेकर ट्रंप को खुली चुनौती दी और उनसे हत्यारे के साथ कोई समझौता नहीं करने का आग्रह किया। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के हमारे बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि 2014 के दौरान किसी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नहीं रोका। उन्होंने लोगों को मार डाला। जेलेंस्की ने कहा कि 2019 में मैंने उनके साथ युद्धविराम के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए मगर उन्होंने युद्धविराम तोड़ा, हमारे लोगों को मारा और कैदियों की अदला-बदली नहीं की इसलिए आप किस तरह की कूटनीति की बात कर रहे हैं? जेलेंस्की की बात का जवाब देते हुए, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, मैं उस कूटनीति की बात कर रहा हूँ जो देश के विनाश को समाप्त कर सकती है। जेडी वेंस ने कहा कि आपको अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का शुक्रिया अदा करना चाहिए क्योंकि अमेरिका के ओवल ऑफिस में आना और उस प्रशासन पर हमला करना अपमानजनक है जो आपके देश के विनाश को रोकने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं पुतिन या किसी और के साथ नहीं हूं, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हूं और दुनिया की भलाई के लिए संवाद में शामिल हूं। उन्होंने कहा कि पुतिन के लिए जेलेंस्की के मन में जो नफरत है, उस तरह की नफरत के साथ समझौता करना बहुत मुश्किल है। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की को तत्काल युद्ध विराम करना चाहिए, युद्ध विराम तुरंत हो सकता है। यदि आप युद्ध समाप्त करना चाहते हैं, तो आपको एक समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि जेलेंस्की कहते हैं कि उन्हें युद्ध विराम नहीं चाहिए तो उन्हें अमेरिका के बिना लड़ना होगा और यदि वे अमेरिका के बिना लड़ते हैं, तो यह आसान नहीं होगा क्योंकि हमारे बिना वे जीत नहीं सकते। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की को यह महसूस करने की जरूरत है कि वे युद्ध हार रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मैं अब और युद्ध नहीं लड़ना चाहता। ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उन पर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी कार्रवाई से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता था। हम आपको यह भी बता दें कि इस तीखी बहस को पूरी दुनिया में लोगों ने देखा।

इस बहस से माहौल इतना गर्म हो गया था कि ट्रंप ने अपने दो शीर्ष सहयोगियों को जेलेंस्की को यह बताने का निर्देश दिया कि अब उनके जाने का समय हो गया है। ऐसा तब हुआ जब वेटर वहां आये प्रतिनिधिमंडलों को दोपहर का भोजन परोसने की तैयारी कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि वार्ता जारी रखने की जेलेंस्की की इच्छा के बावजूद यूक्रेनियन प्रतिनिधिमंडल को वहां से चले जाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही यूक्रेन और अमेरिका खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने में भी विफल रहे। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया है कि ट:प को फिलहाल खनिज सौदे पर दोबारा विचार करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इस जुबानी जंग के बाद जेलेंस्की व्हाइट हाउस से चले गए। हालांकि इस बहस ने अमेरिका और यूरोप के बीच उभरी गहरी दरार को उजागर कर दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप ने वार्ता के दौरान जेलेंस्की को स्टूपिड भी कह दिया था। इससे पहले भी ट्रंप जेलेंस्की को तानाशाह बता चुके हैं।

उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कहासुनी के बाद व्हाइट हाउस से रवाना होने के बाद यूक्रेन के समर्थन के लिए ट्रंप और अमेरिका का आभार व्यक्त किया। व्हाइट हाउस से प्रस्थान के कुछ ही मिनट बाद, जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद। अमेरिकी राष्ट्रपति, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों का धन्यवाद। यूक्रेन को न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता है, और हम बस उसी के लिए काम कर रहे हैं।

दूसरी ओर, ट्रंप और जेलेंस्की के बीच ओवल ऑफिस में हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेन के यूरोपीय साझेदारों और दुनिया के अलग-अलग देशों के नेताओं ने जहां जेलेंस्की का समर्थन किया तो वहीं दूसरी ओर व्हाइट हाउस ट्रंप के साथ खड़ा दिखाई दिया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वोन डेर लेयेन ने एक्स पर लिखा, आपने जो गरिमा दिखाई, उसने यूक्रेन के लोगों की बहादुरी को दर्शाया है। मजबूत, बहादुर और निडर बने रहें, प्रिय वोलोदिमीर जेलेंस्की। हम न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए आपके साथ काम करते रहेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर लिखा, एक हमलावर है- रूस। एक पीड़ित है- यूक्रेन। हमारा तीन साल पहले यूक्रेन की मदद करना और रूस पर प्रतिबंध लगाना सही था- और ऐसा करते रहना सही भी है। मैक्रों ने कहा, हमारे से मेरा तात्पर्य अमेरिकी, यूरोपीय, कनाडाई, जापानी और कई अन्य से है। उन्होंने कहा, उन सभी का आभार जिन्होंने मदद की और कर रहे हैं। उन लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं जो शुरू से ही लड़ रहे हैं - क्योंकि वे अपनी गरिमा, अपनी स्वतंत्रता, अपने बच्चों और यूरोप की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं।

वहीं ट्रंप की करीबी सहयोगी मानी जाने वाली इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा कि वे कूटनीति को पुनः पटरी पर लाने के लिए यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच शिखर सम्मेलन का आह्वान करेंगी। उन्होंने एक बयान में कहा, अमेरिका, यूरोपीय देशों और सहयोगियों के बीच तत्काल एक शिखर सम्मेलन आयोजित किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें इस बारे में खुलकर बात की जाए कि हम आज की बड़ी चुनौतियों से कैसे निपटना चाहते हैं। इसकी शुरुआत यूक्रेन से हो, जिसका हमने हाल के वर्षों में मिलकर बचाव किया है। जर्मनी के अगले संभावित चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने एक्स पर लिखा, प्रिय वोलोदिमीर जेलेंस्की, हम अच्छे और मुश्किल समय में यूक्रेन के साथ खड़े हैं। हमें इस भयानक युद्ध में कभी हमलावर और पीड़ित को लेकर भ्रमित नहीं होना चाहिए। एस्टोनिया के प्रधानमंत्री क्रिस्टन मिशल ने कहा कि उनका देश स्वतंत्रता की लड़ाई में जेलेंस्की और यूक्रेन के साथ एकजुट है। इसके अलावा कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटरी ओर्पो, लात्विया के राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स, लग्जमबर्ग के प्रधानमंत्री लुक फ्रीडेन, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने यूक्रेन और जेलेंस्की के प्रति समर्थन जताया है।

दूसरी ओर, व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस की अमेरिका फर्स्ट स्ट्रेंथ को समर्थन मिल रहा है। ट्रंप और वेंस ने दुनिया को स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका का फायदा नहीं उठाने दिया जाएगा। कैबिनेट और पूरे देश के सांसद यह भावना जाहिर कर चुके हैं। बयान में विदेश मंत्री मार्को रुबियो और गृह सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम समेत कई सांसदों के उद्धरण शामिल हैं। बयान में रुबियो ने कहा, अमेरिका के लिए इस तरह खड़े होने के लिए राष्ट्रपति का आभार। पहले कभी किसी राष्ट्रपति ने ऐसा करने का साहस नहीं किया। अमेरिका को सबसे पहले रखने के लिए आपका धन्यवाद। अमेरिका आपके साथ है! नोएम ने कहा, मुझे हमारे कमांडर-इन-चीफ (ट्रंप) पर बहुत गर्व है।

भारत में कब होगी 'शून्य भेदभाव' वाली स्थिति?

समाज के लोगों के बीच प्रेम, भाईचारा, सद्भावना, आपसी मेलजोल, समानता आदि ऐसी भावनाएं हैं जो लोगों को एक-दूसरे से जोड़े रखती हैं। अगर दूसरे से भेदभाव न हो तो दुनिया बहुत सुंदर लगती है। समाज में इसी प्रेम को उजागर करने के लिए हर वर्ष एक मार्च को विश्व में शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है। इस बार भी यह दिवस मनाया गया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य है किसी भी व्यक्ति के साथ आयु, रंग, लिंग, भाषा, स्वास्थ्य या किसी भी आधार पर भेदभाव न करना। परंतु विश्व में ऐसे बहुत से देश हैं जहां किसी न किसी आधार पर लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। एशियाई देशों पर मानवाधिकार हनन की बात करने वाले पश्चिमी देशों में खुद नस्लीय भेदभाव किया जा रहा है। वहां काम करने वाले अश्वेत लोग धन और आय में गंभीर आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात पूरा विश्व एक ही परिवार का सिद्धांत देने वाला भारत सदियों से सहनशीलता, पारस्परिक स्नेह का प्रतीक रहा है। इसके बावजूद भारतीय समाज भी बहुत सी सामाजिक बुराइयों से जकड़ा हुआ था और अभी भी है जिससे असमानताएं फैलती हैं। उन्नीसवीं शताब्दी में समाज सुधारकों के अथक प्रयासों तथा बीसवीं शताब्दी में शहरीकरण, औद्योगीकरण, पश्चिमी शिक्षा तथा संविधान के लागू होने से बहुत सी सामाजिक बुराइयां जैसे जाति प्रथा, छुआछूत, पर्दा प्रथा, बाल विवाह, सती प्रथा, रूढ़िवादिता, अंधविश्वास, शोषण आदि जिन्होंने भारतीय समाज को जकड़ रखा था, की पकड़ ढीली पड़ी तथा निश्चित रूप से धार्मिक सहिष्णुता को

बढ़ावा मिला।

धर्मनिरपेक्षता से भी धर्म कट्टरता कम हुई है, परंतु आजकल धर्म कट्टरवादिता के बीज बोए जा रहे हैं। महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है, परंतु अभी भी भारतीय समाज औरतों के प्रति संवेदनशील नहीं है। जनता अभी भी पूर्वाग्रहों से ग्रसित है और इन सामाजिक बुराइयों को हमेशा के लिए छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। इन सामाजिक बुराइयों से निपटने के लिए भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के मौलिक अधिकार दिए गए हैं। संविधान के अनुच्छेद 15 (1) के अनुसार राज्य किसी नागरिक के साथ जाति, धर्म, जन्म स्थान और वंश के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता। अनुच्छेद 15 (2) के अनुसार किसी को जाति, धर्म, लिंग या वंश के आधार पर दुकानों, होटलों, सार्वजनिक स्थानों, सडकों, कुओं और तालाबों में जाने से नहीं रोका जा सकता है। अनुच्छेद 15 (3) में महिलाओं और बच्चों को ध्यान में रखा गया है। इस नियम के अनुसार अगर महिलाओं और बच्चों के लिए खास कानून बनाने का प्रावधान है, जैसे महिला आरक्षण या बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा, ऐसे कानून बनाने से रोका नहीं जा सकता है। इन अधिकारों का उद्देश्य है कि हर नागरिक सम्मान के साथ अपना जीवन जी सके और किसी के साथ किसी आधार पर भेदभाव न हो। परंतु बहुत दुःख की बात है कि आजादी के 77 वर्ष के बाद भी भारतवर्ष में जाति, लिंग और पंथ के आधार पर भेदभाव देखने को मिल रहा है। हिंदू-मुस्लिम विभाजन के प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं की स्थिति में संतोषजनक सुधार नहीं हुआ है। छोटी-छोटी बच्चियों का रेप हो रहा है। भारत के कई राज्यों में लिंगानुपात दिन-प्रतिदिन गिर रहा है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी स्कीमों का भी कोई असर नहीं हो रहा है। संवैधानिक अधिकारों और विशेष कानूनों के वाबजूद राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों सहित मानवाधिकारों का भी उल्लंघन होता रहता है। मिशेल सिदीबे दिसंबर 2013 में यूएन एड्स के प्रभारी थे। उन्होंने शून्य भेदभाव दिवस का विचार लाया था। इस दिन का लक्ष्य विभिन्न लोगों के कलंक और अनुचित व्यवहार को समाप्त करना है। संयुक्त राष्ट्र ने मानव जीवन और इसे सम्मान और गरिमा के साथ जीने की स्वतंत्रता का जश्न वाले कार्यक्रमों और अभियानों को आयोजित करके इस कारण का समर्थन किया है, चाहे व्यक्ति का लिंग, जाति, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, अक्षमता या नौकरी कुछ भी हो। हर साल शून्य भेदभाव दिवस अलग-अलग थीम के साथ मनाया जाता है और उस क्षेत्र में भेदभाव को मिटाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाता है। जैसे 2022 का उद्देश्य था धन, लिंग, आयु, स्वास्थ्य, स्थिति, रोजगार, विकलांगता, यौन, मादक द्रव्यों की लत, लिंग पहचान, जातीय पृष्ठभूमि, धर्म और आस्था के आधार पर वैश्विक असमानताओं को रोकना। वर्ष 2025 का थीम है हम एकजुट होकर खड़े हैं। यह एचआईवी/एड्स को खत्म करने और इसके कलंक और भेदभाव से निपटने के लिए है। शून्य भेदभाव दिवस सभी प्रकार के भेदभावों को खत्म करने का प्रतीक है।

संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी देशों में यह दिन कानून और व्यवहार में समानता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इसका प्रतीक तितली को चुना गया है। यह दिवस दर्शाता है कि किस प्रकार व्यक्ति समावेशिता, सहानुभूति, सहिष्णुता और सबसे महत्वपूर्ण रूप से परिवर्तन के लिए प्रेरणा सीख सकते हैं और उसे प्रोत्साहित कर सकते हैं। इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र की यूएन एड्स संस्था विश्व के सभी लोगों को आपसी मतभेदों को दूर करके अपनी कुशलता से एक-दूसरे का सहयोग करने का संदेश देती है। इसका आयोजन समाज में बराबरी लाने, विविधता को अपनाने तथा प्रतिभा एवं कौशल को महत्त्व देने के लिए किया जाता है। शून्य भेदभाव दिवस एक विश्वव्यापी कार्यक्रम है। यह सभी प्रकार के भेदभाव से छुटकारा पाने और सामाजिक समावेश व सहिष्णुता को प्रोत्साहित करने के लिए कार्रवाई का आह्वान करता है। सभी को सम्मान के साथ जीने का अधिकार है, चाहे वह कैसा भी दिखाता हो, किसी भी जाति का हो, जहां भी रहता हो या जो भी विश्वास करता हो। शून्य भेदभाव दिवस का लक्ष्य महिलाओं व लड़कियों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में बराबरी के लिए आवाज उठाना भी है। भेदभाव, मानवाधिकारों का उल्लंघन है। इसलिए इसे रोकने की जरूरत है।

शिक्षक जायेंगं अपने अपने बिधायको सांसदो के द्वार - गिरिराज सिंह भदौरिया

मांगेंगे प्रथम नियुक्ति दिनांक से बरिष्ठता के साथ पुरानी पेंशन, और पूछेगें कि NPS,UPS इतनी ही अच्छी हैं तो आप लोग उसे क्यों नही लेते

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ । भिंड, सार्थक ऐप लागू करने से पहले मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराये सरकार न्यू मोमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ मध्य प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों से आग्रह है कि प्रदेश अध्यक्ष द्वारश्री सतेंद्र सिंह तिवारी द्वारा निर्धारित तिथियां के अनुसार चरणबद्ध आंदोलन का कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रत्येक जिले में मीटिंगों का आयोजन रीवा की तरह शुरू किया जाए और हम सभी पदाधिकारी का दायित्व बनता है कि अपने-अपने जिलो में तथा आसपास के जिले में जिला अध्यक्षों को थोड़ा सक्रिय करें और आंदोलन की जो रूपरेखा बन चुकी है उसको शुरू करें यदि पदाधिकारी ही नहीं शुरू करेंगे ,जागृत जागरूक न होंगे तो आम शिक्षक कैसे जागृत होंगे अभी फिलहाल रीवा में अच्छा कार्यक्रम साथियों ने किया है उसको देखकर सभी को जागृत होना चाहिए कुछ जिलों में तो लोगों से लगता ही नहीं है कि यहां पर हमारा संगठन है अगर कोई एक व्यक्ति लड़ रहा है तो उसको देखकर सभी को सक्रिय होना चाहिए तब ही कुछ सफलता मिलेगी सरकार तो हम सभी को घर बैठाने के लिए पूरी शिद्दत से लगी है लेकिन हम, हमारे साथी अभी तक सोए हुए हैं यदि अभी नहीं जागे तो सरकार घर बैठाने में देर नहीं करेगी अतिशेष में पूरी साल निकल चुकी है लेकिन पोर्टल में आज तक नही किया गया और उसके बाद सार्थक ऐप में उलझा दिया और अव अपार आईडी में उलझा दिया और 3.0 के तहत नवीन संकुल केंद्रो के गठन में अधिकारियो ने बदमाशी के रिकार्ड ही तोड दिए, शिक्षकों को पढ़ाने का समय ही नहीं दिया कैसे रिज्लट अच्छा आयेगा ,सरकार में हावी अफसर शाही ने शिक्षा का बुरा हाल कर रखा हैं यदि हम पढ़े-लिखे लोग अपने हक के लिए आगे नहीं आएंगे तो आम आदमी कैसे जागृत होगा आज रीवा से एक वीडियो प्राप्त हुआ है जहां जिला पंचायत अध्यक्ष जो राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त हैं वह सरकार से खुश नहीं है धरना देने की बात कर रही है जब वह नहीं डर रही है तो हम लोग क्यों डरे, सरकार में बैठे लोग ही सरकार को अच्छा नहीं कह रहे तो हमें सही बात कहने में किस बात का डर जो हमारे ऐसे पदाधिकारी है जो आंदोलन से कतराते हैं डरते हैं और यदि कोई उनके बीच का साथी आंदोलन कर रहा हैं और प्रशासन से आप सभी के लिए लड़ रहा है अगर आप उनका साथ नहीं दे सकते उनके पीछे भी नहीं खड़े हो सकते तो मेरा आग्रह है कि ऐसे लोगों को उसे पद से अपने आप को अलग कर लेना चाहिए जिससे उस पद पर कोई दूसरा व्यक्ति आकर काम कर सके यदि आपको हटाया जाएगा तो यह एक अच्छा संदेश नहीं जाएगा इससे बेहतर है कि आप में से जो निष्क्रिय हैं जो काम नहीं करना चाहते या शासन प्रशासन से उन्हें भय है अपनी बात कहने में डर लगता है तो ऐसे लोगों को अपने पद को त्याग कर किसी दूसरे का नाम प्रस्तावित करना चाहिए आज हम देख रहे हैं कि विभिन्न जिलों में कुछ लोग सक्रिय है लेकिन उनका कोई साथ अपने पदाधिकारी ही नहीं देते अपने पदाधिकारी ही नहीं देंगे अगर साथ तो एक व्यक्ति कैसे लड़ेगा प्रदेश में सतेंद्र सिंह तिवारी जैसा नेतृत्व कर्ता शायद ही आपको मिलेगा जो पूर्ण ईमानदारी के साथ आप सबके लिए लड़ता है और शासन द्वारा विभिन्न तरीके से प्रताड़ित किया जाता है फिर भी वह विचलित नहीं है तो क्या हमें उनका साथ नहीं देना चाहिए साथियों प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार बनाए गए कार्यक्रम को फॉलो करें ब्लांको एवं जिलो में मीटिंग करें और अपने माननीय विधायकों से अपनी समस्याओं से के बारे में कहें और और उनको हल करने का प्रयास करें,समीक्षा बैठको का आयोजन अपने अपने बिधायको सांसदो की उपस्थिति में कराये प्रशासन से स्थानीय समस्याओ के प्रंशन कर जवाव मांगें और सार्थक ऐप को बिरोध इसलिए करे कि वह अव्यवहारिक तथा अनुपयोगी हैं जव तक आवास एवं कनेक्टिविटी नही तव तक सार्थक ऐप नही.

मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2025 का आयोजन 08 व 09 मार्च को होगा

शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में आएं और उठाएं आर्थिक एवं स्वास्थ्य लाभ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में जिला उद्यान अधिकारी गमपाल सिंह ने अवगत कराया कि औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र के प्रांगण में दिनांक 08 व 09 मार्च को मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन दिनांक 08 मार्च को किया जायेगा। जिला उद्यान अधिकारी ने जनपद के औद्यानिक कृषकों एवं पुष्प प्रेमियों से अपील करते हुए कहा कि मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में आएं और आर्थिक एवं स्वास्थ्य लाभ उठाएं। पुष्प प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के स्टाल भी लगाये जायेगें तथा उद्यान विभाग के अधिकारियों के द्वारा विभाग में संचालित योजनाओं के विषय में विस्तार से चर्चा की जायेगी।इस अवसर पर औद्यानिक फसलों एवं पुष्पों के उत्पादन में आने वाली समस्याओं के निराकरण के सन्दर्भ में भी वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी दी जायेगी। घरों में उपयोग होने वाले औद्यानिक पेय पदार्थ तथा जैम, जैली, अचार, मुरब्बा अर्थात फल संरक्षण / प्रोसेसिंग के सन्दर्भ में स्टाल लगाये जाने वाले लघु उद्यमियों के द्वारा भी जानकारी प्राप्त करके लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने पुन: जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर पुष्प प्रदर्शनी का लाभ उठायें।

किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाए केंद्र सरकार - भगत सिंह वर्मा

मनरेगा योजना को खेती से जोड़ा जाए - भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, रुड़की- उत्तराखंड में देश के दो दर्जन से अधिक किसान संगठनों की बैठक संयुक्त किसान क्रांति मोर्चा को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि कृषि प्रधान देश भारतवर्ष में देश के अन्नदाता किसानों को बचाने के लिए देश को विकसित भारत बनाने के लिए डॉ एस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार ष्ट2प्लस 50त्र के तहत देश के अन्नदाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य केंद्र सरकार दिलाने की व्यवस्था करें। देश के मेहनत कश किसानों की फसलों की लागत कम करने के लिए मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराए जाए, ट्रैक्टर कृषि यंत्र खाद बीज कीटनाशक डीजल से जीएसटी को समाप्त कराया जाए, सरकार की गलत नीतियों के कारण कर्ज बंद हुए देश के अन्नदाता किसानों के सभी कर्ज समाप्त कराए जाएं, एम एस पी को लाभकारी बनाकर गारंटी कानून बनाया जाए, आवारा व छुट्टा पशुओं से किसानों की खेती को बचाया जाए, 58 वर्ष से अधिक बुजुर्ग, किसान, मजदूर को ?10000 प्रति माह वृद्धावस्था पेंशन दिलाई जाए, देश में सभी को शिक्षा और चिकित्सा निःशुल्क कराई जाए, देश और प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल दिलाया जाए, देश की जनता को टोल प्लाजा से मुक्ति दिलाई जाए, राष्ट्रीय किसान आय आयोग का गठन किया जाए, देश में छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण के लिए राज्य पुनर्गठन आयोग गठित किया जाए और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण तत्काल कराया जाए। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि देश के अन्नदाता किसानों की क्रय शक्ति बढ़ाने से ही देश आर्थिक रूप से मजबूत होगा। किसान बचेगा तो देश बचेगा। किसानों की उन्नति से ही देश विकसित भारत बनेगा। आज लुटियंस जोन दिल्ली में बैठे हुए नेताओं की किसान गरीब विरोधी नीतियों के चलते देश में गरीब और गरीब हो रहा है और अमीर और अमीर होता जा रहा है जो देश की स्थिति के लिए अच्छे संकेत नहीं है। संयुक्त किसान क्रांति मोर्चा की बैठक में भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम, भारतीय किसान यूनियन एकता के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट फरमान त्यागी, पदम सिंह रोड के अध्यक्ष सचिन तोड़ा, भारतीय किसान यूनियन स्वतंत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ तरुण शर्मा, भारतीय किसान यूनियन सर्वे के अध्यक्ष विकास शर्मा, जय जवान जय किसान लोक शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यभान चौहान, भारतीय किसान यूनियन रोहता के राष्ट्रीय अध्यक्ष चमन सिंह प्रधान आदि ने भाग लिया।

रंगपंचमी पर स्थानीय अवकाश की मांग

उज्जैन श्रीमान कलेक्टर महोदय उज्जैन द्वारा वर्ष 2025 के लिए 3 स्थानीय अवकाश घोषित किये थे जिसमें खाचरौद तहसील के लिए भी 3 स्थानीय अवकाश घोषित किये गए जिसका अवलोकन करने पर पाया कि बर्ष 2025 के लिए जो 3 स्थानीय अवकाश खाचरौद तहसील के लिए उसमे रंगपंचमी 19.3.2025 का घोषित नही करके ओर कोई स्थानीय अवकाश खाचरौद तहसील के लिये घोषित किया गया है जिस पर अभिभाषक संघ खाचरौद तहसील के ऐतिहासिक त्योहार रंगपंचमी 19.3.2025 पर स्थानीय अवकाश दिए जाने की मांग श्रीमान कलेक्टर महोदय उज्जैन के नाम द्वारा श्रीमान स्थरूखाचरौद की अनुपस्थिति में श्रीमान तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सोपक कर अभिभाषक संघ अध्यक्ष प्रवीण पण्डिया , कोषाध्यक्ष मनीष शर्मा, उमाशंकर पाटीदार हर्षित चोरडिया, शेख अब्दुल रज्जाक पवन जोशी प्रहलाद राठौर आदि अभिभाषकों द्वारा खाचरौद तहसील को रंगपंचमी पर स्थानीय अवकास किया जाने की मांग की गई।

कलेक्टर ने दिए समन्वय और नवाचार के साथ कार्य करने के निर्देश

गुना कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश एवं विकसित गुना 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी अधिकारियों को समन्वय और नवाचार के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुना जिले को प्रदेश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल करने के लिए योजनाबद्ध और प्रभावी कार्य करना आवश्यक है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समय-सीमा पत्रकों की समीक्षा बैठक की शुरुआत में कलेक्टर ने लंबित पत्रों की बिंदुवार समीक्षा की और निर्देश दिए कि प्रकरणों का शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधानसभा प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से भेजे जाएं।

भू-जल संरक्षण पर विशेष जोर कलेक्टर ने पीएचई एवं जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि जिले में शासकीय एवं निजी बोरिंग मशीन संचालकों का रिकॉर्ड तैयार किया जाए। उन्होंने अनुपयोगी बोरिंग को विधिवत केसिंग कर बंद करने के लिए संबंधित एसडीएम की निगरानी में कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बाल स्वास्थ्य एवं पोषण - दस्तक अभियान 18 फरवरी से 18 मार्च तक दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर ने समय पर सभी तैयारियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने 70+ आयुष्मान कार्ड की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और स्पष्ट किया कि यदि अगले सप्ताह तक सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

कृषि एवं आवास योजनाओं की समीक्षा कलेक्टर ने मंडी सचिव को आगामी फसल सीजन के लिए सक्रिय रहने और किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान पर जोर दिया। इसके अलावा, पीएम आवास योजना की पीपीटी के माध्यम से समीक्षा करते हुए उन्होंने किस्तों के वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

बैठक के अंत में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों को विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश एवं विकसित गुना 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवाचार और समन्वय के साथ कार्य करना होगा। एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाए रखने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को प्राथमिकता से अपनाने के निर्देश दिए गए।

आज कलेक्टर द्वारा समय सीमा बैठक में गोबर से निर्मित उत्पादों के लिए स्व-सहायता समूह की दीदियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। डीपीएम एनआरएलएम श्रीमति सोनू सुशीला यादव ने बताया कि ग्रामीण विकास अंतर्गत 40 गौशालाओं का संचालन स्व सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है, जिसमें 10 गौशालाओं के स्व सहायता समूह सदस्यों के 40 सदस्यों को गौ-काष्ट एवं गोबर से निर्मित उत्पादों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न उत्पादों को बनाने की पूरी जानकारी लेकर कलेक्टर द्वारा सुंदर उत्पाद व इस हुनर की सराहना की गई। स्व-सहायता समूह सदस्यों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा की गुना जिले की समूह की दीदियां लखपति के बाद करोड़पति बनने की भी तैयारी करें। आज इस दौरान मास्टर ट्रेनर श्रीमति शैलेन्द्र पाठक को भी सीईओ जिला पंचायत द्वारा भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर द्वारा आजीविका मिशन के इस सराहनीय पहल के लिए मिशन की प्रशंसा की गयी।

अबूझमाड़ पीस मैराथन 2025 में इंडियन काउंसिल ऑफ प्रेस ने निभायी अपनी सहभागिता

गणेश वैष्णव ।सिटी चीफ नारायणपुर, बरसों से नक्सली हिंसा का दंश झेलते नारायणपुर में इस वर्ष अबूझमाड़ पीस मैराथन 2025 चतुर्थ संस्करण का आयोजन किया गया। इसमें देश विदेश से सैकड़ों धावकों ने अपनी किस्मत और हौसले का परिचय देते हुए इस मैराथन में हिस्सा लिया। इस मैराथन की चर्चा सही मायनों में इसलिए किया जाना चाहिए क्योंकि इसके पहले संस्करण से पूर्व यहाँ नक्सलियों का आतंक सिर चढ़कर बोलता था। सरकार और पुलिस प्रशासन के जन सहयोग से यहाँ अब विकास की बयार बहने लगी है।

मैराथन के चतुर्थ संस्करण में इंडियन काउंसिल ऑफ प्रेस की ओर से धावकों और आयोजन कर्ताओं, अधिकारी कर्मचारी गण, जन मानस के लिए नि:शुल्क चाय पानी बिस्किट और नाश्ते की व्यवस्था कर इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। जिससे लोगों में एक उत्साह और आनंद की अनुभूति हुई। इस जनभागीदारी के लिए लोगों ने इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश वैष्णव, जिला कार्यकारिणी के सहयोगी संतोष नुरेटी, जगदीश चौव्हाले का आभार व्यक्त किया। जन सहयोग से लोगों की सेवा से जन मानस में उत्साह का माहौल दिखा। विशेषकर प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश वैष्णव का प्रयास सराहनीय था जिसकी प्रशंसा न सिर्फ़ स्थानीय लोगों बल्कि खुद कौंसिल में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

अबूझमाड़ पीस मैराथन 2025 में ऐसे धावकों ने भी हिस्सा लिया जिनका नाम नारायणपुर के इसी आस पास के क्षेत्र में बड़े कैडर के नक्सलियों में नाम शुमार था। सरकार के लोन वर्राटु अभियान के तहत और नक्सलियों के दमनकारी नीतियों से परेशान होकर पुलिस के सामने आत्म समर्पण कर विकास का रास्ता अपना लिया है। और इस मेराथन में इन्होंने बस्तर आईजी पी. सुंदरपिचई के साथ मिलकर 21 द्यद्व की दौड़ को पूरा किया है।

अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन 2025 के समापन अवसर पर राज्य सरकार के संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के द्वारा ओरछा विकासखण्ड के ग्राम बासिंग से मावा मोटर को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे अबुझमाड़ क्षेत्र के ग्राम कस्तुरमेटा, मोंहदी कोडलियर और कुतुल के ग्रामवासियों को यातायात में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप और पद्श्री एवं धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, बृजमोहन देवांगन, गौतम एस गोलछा, संध्या पवार, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुरिया, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इंडियन कौंसिल आफ प्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस एन विश्वकर्मा तथा प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजीव खरे ने इस प्रयास के लिये छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश वैष्णव को बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि इस आयोजन में उनका यह प्रयास सराहनीय है एवं इंडियन कौंसिल आफ प्रेस भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में और सक्रियता से भाग लेता रहेगा ।

नारायणपुर के एसपी प्रभात कुमार के द्वारा अबूझमाड़ मैराथन के मंच सभी आत्म समर्पितों को प्रोत्साहित और सम्मानित किया गया और अन्य जो भी नक्सलियों और बाहरी लोगों के संपर्क में आकर सरकार विरोधी कार्यों में व्यस्त हैं। वो आकर पुलिस के सामने आत्म समर्पण कर दें।

कुकडेश्वर पुलिस को मिली बड़ी सफलता,खेत में अवैध रुप से उगाई हुये अफीम के पौधे मय डोडे

गांजें के पौधे कुल 424.5 कि.ग्रा. वजनी एवं 1 किलो 600 ग्राम अवैध अफीम जप्त, 01 आरोपी गिरफ्तार

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्व सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए गए हैं।पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनासा विमलेश उइके के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कुकडेंश्वर निरीक्षक सौरभ शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये ग्राम शिवपुरिया के जंगल में एक किसान द्वारा उसके रायड़े की फसल के बीच में अवैध रुप से बोयी हुई अफीम एवं गांजा की फसल कुल गिला एवं सुखा गांजा के पौधे 144 किलो ग्राम एवं सुखे एवं गिले अफीम डोडा 280.5 किलोग्राम तथा 1 किलो 600 ग्राम अवैध अफीम जप्त की जाकर 01 आरोपी रोड़ी लाल पिता सोजी बंजारा उम्र 50 साल निवासी शिवपुरिया चक्की वाला थाना कुकडेश्वर को गिरफ्तार कर पुलिस थाना कुकडेंश्वर पर धारा 8/15, 8/18, 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना प्रभारी निरीक्षक

सौरभ शर्मा के नेतृत्व में उनि मोहनसिंह चौहान कि सूचना पर पुलिस टीम कुकड़ेश्वर द्वारा दिनांक 02.03.2025 को मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए गावं शिवपुरिया चक्कीवाला के मार (जंगल) में मुखबीर द्वारा बताये स्थान पर एक किसान से 01 किलो 600 ग्राम अफीम व उसके खेत मे रायडे कि फसल के बिच मे उगा रखी अफीम व गांजे कि फसल को पंचानो के समक्ष पौधो के पास जाकर देखते रायडे के खेत के बीच में ऊगे हरे गांजा व अफीम के पोधे एवं डोडा गिला एवं सुखा गांजा के पोधे 144 किलो ग्राम एवं सुखे एवं गिले अफीम डोडा 280.5 किलोग्राम के जप्त किये गये तथा आरोपी के कब्जे से 1 किलो 600 ग्राम अफीम जप्त कि गयी, लाखो रुपयो का माल मौके से जप्त कियेा गया। आरोपी रोडीलाल पिता सोजी निवासी शिवपुरिया चक्की वाला थाना कुकडेश्वर का कृत्य धारा 8/15, 8/18, 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत आने से आरोपी के विरुध्द अपराध पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। सराहनीय कार्य-उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुकडेश्वर निरीक्षक सौरभ शर्मा , पुलिस टीम कुकडेश्वर एवं जंगल कि सर्चिंग हेतु अतिरिक्त बल थाना मनासा, थाना रामपुरा का सहयोग लिया गया समस्त टीम कि सराहनीय भूमिका रही।

अतिशय क्षेत्र श्री तालनपुर जी तीर्थ मे हुआ गुरु भगवन्तो का मिलन...

जय जय गुरुदेव के नारों से पुरा अतिशय क्षेत्र गूंजयमान हो गया...

कुक्षी पुलिस ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्यवाही कर 21 पेटी देशी मंदिरा प्लेन 189 बल्क लीटर कीमती 73500 रुपये व मारुती वेगेनार कार कीमती 450000 रुपये कुल

जब्त माल क़ीमत 5 लाख 23,500 रुपये का जप्त किया

गंधवानी – उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार इंद्रजीत बाकलवार एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कुक्षी सुनिल गुप्ता के मार्ग दर्शन में अवैध शराब, मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था जो दिनांक 02.03.2025 को थाना प्रभारी कुक्षी ने एक टीम गठित की। टीम के लगातार प्रयास से मुखबीर के माध्यम से सूचना मिली कि अलिराजपुर तरफ से एक वेगेनार कार जिसमें अवैध शराब है कुक्षी तरफ आने वाली है सूचना पर टीम द्वारा सीतलामाता मंदिर ग्राम सिलकुआ में नाकाबंदी तो अलिराजपुर तरफ से एक वेगेनार कार आई जो पुलिस को देख कर भागे जिसे मुखबीर व पुलिस द्वारा वेगेनार कार को पकड़ा है तथा उसकी तलासी लेते 21 पेटी देशी दुबारा शराब, 189 बल्क लीटर कीमती 73500 रुपये व मारुती वेगेनार कार कीमती 450000 रुपये कुल मश्रुका 5 लाख 23,500 रुपये की मिली जिसे जप्त कर आरोपी 1. नवल पिता पप्पु डावर जाति भीलाला उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम बादरा थाना धरमपुरी, 2. सुरेश पिता प्रेमसिंह मुवेल जाति भीलाला उम्र 33 वर्ष निवासी करोंदिया थाना गंधवानी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। इस उल्लेखनीय सफलता में निरीक्षक राजेश यादव, उनि जगदीश सोलंकी, सउनि लोकेश रायपुरिया, प्रआर 440 वेस्ता सोलिया, प्रआर 88 आमीर अंसारी, प्रआर 213 सतीश, आर 889 जितेन्द्र, आर 69 जयेन्द्र, आर 145 राहुल, आर 134 संदीप, आर 887 बलराम का विशेष योगदान रहा

है। एसपी ने टीम को पुरस्कार करने की घोषणा की है

दशहरा मैदान में रंगारंग आर्केस्ट्रा के साथ होली के मधुर गीतो के बीच होगा होलिका दहन

नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति की बैठक संपन्न

नीमच– नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति नीमच द्वारा बीते कई वर्षो से होलिका दहन का आयोजन किया जाता आ रहा है। नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति हर वर्ष पारंपरिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शहर के दशहरा मैदान में होली का पर्व को लेकर एक बड़ा आयोजन करती है जिसमें सांस्कृतिक आयोजन भी होते हैं । इस वर्ष भी 13 मार्च को होलिका दहन पर्व रंगारंग कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा। आर्केस्ट्रा की रंगारंग प्रस्तुति के बाद शुभ मुहूर्त में होलिका दहन किया जाएगा । इस हेतु तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु एक बैठक 1 मार्च शनिवार की सायं दशहरा मैदान परिसर में रखी गई। जिसमें तैयारियों को अंतिम रूप देकर समिति के सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। सभी ने विचार विमर्श कर एक मत से निर्णय लिया कि आर्केस्ट्रा की शानदार प्रस्तुति के बीच पारंपरिक होली का पर्व होली के मधुर गीतों के साथ पारिवारिक माहौल में संपन्न होगा। आयोजित बैठक में समिति प्रमुख बृजेश मित्तल, ओम दीवान, राजेश जायसवाल पराग टेंट, मनोहर अंब, भगत वर्मा, रमेश बोरीवाल, विनोद बोरीवाल, अमरदीप उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

दो दिवसीय निर्वाण कल्याण दिवस पूजन व निर्वाण लाडू का होगा आयोजन...

कुक्षी... दिनांक 3 मार्च से 4 मार्च तक चलने वाले दो दिवसीय पूजन व निर्वाण लाडू का होगा आयोजन, इसको लेकर मालवा, निमाड़ की और से पधारे गुरु भगवन्त प. पू. 108 आचार्य श्री विप्रणतसागर जी महाराज अतिशय क्षेत्र श्री तालनपुर जी तीर्थ पहुँचे वही गुजरात की और से पधारे प. पू. मुनि श्री 108 प्रशमसागर जी महाराज, प्रसन्न मन: प. पू. मुनि श्री 108 प्रणुत सागर जी महाराज, प.पू. मुनि श्री 108 साध्यसागर जी महाराज, प.पू मुनि श्री 108 जयन्द्र सागर जी महाराज जी भी अतिशय क्षेत्र श्री तालनपुर जी तीर्थ पधारे सभी गुरु भगवन्तो का दिगंबर जैन श्री संघ के साथ इस पावन भूमि पर एक साथ मिलन हुआ। जब सभी गुरु भगवन्तो का मिलन हुआ उस समय इस अतिशय पावन भूमि पर जय गुरुदेव के जयघोष से पुरा क्षेत्र गूंजयमान हो गया। तत्पष्यात सभी गुरु भगवन्त व मुनियो द्वारा 19 वे तीर्थंकर मुलनायक श्री मल्लिनाथ भगवान के दर्शन का लाभ लिया गया, इस अवसर पर पुरा श्रीसंघ उपस्थित था। दर्शन लाभ के पष्यात गुरु भगवन्तो द्वारा अपनी मुखवाणी से श्रीसंघ को जिनवाणी सुनाई गईं। पष्यात पुरे श्रीसंघ द्वारा आचार्य भगवन्त की सामूहिक आरती की गईं। वही आचार्यश्री व मुनिवर नें मिडिया को जानकारी देते हुए बताया की मप्र के धार जिले मे स्थित कुक्षी के पास अतिशय क्षेत्र श्री तालनपुर जी तीर्थ मे इस मंदिर का इतिहास बहुत ही प्राचीन हैं, बताया गया हैं की इस पावन भूमि पर बने मंदिर जी मे विराजित तीर्थंकरो की प्रतिमाए खेत जोत रहे एक किसान के खेतो से निकली हैं जिसमे तत्कालीन समय पर श्वेतांबर व दिगंबर समाज द्वारा कुछ प्रतिमा श्वेतांबर समाज व कुछ प्रतिमाए दिगंबर समाज द्वारा विधि विधान के साथ स्थापना करवाई गईं, जो आज भी दोनों समाज द्वारा पूजन पक्षाल किया जा रहा हैं। साथ ही श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शुभ तिथि- 3 एवं 4 मार्च 2025 को श्री तालनपुर जी तीर्थ में संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के दिव्य आशीर्वाद, चर्याशिरोमणि पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के मंगल आशीर्वाद व गुजरात संत केसरी प.पू. आचार्यश्री 108 भरत सागर जी महाराज जी के दिव्य आशीर्वाद से भगवान मल्लिनाथ निर्वाण कल्याणक दिवस, पूजन एवं निर्वाण लाडू का आयोजन होने जा रहा हैं। इस आयोजन मे प. पू. 108 आचार्य श्री विप्रणतसागर जी महाराज, प. पू. मुनि श्री 108 प्रशमसागर जी महाराज, प्रसन्न मन: प. पू. मुनि श्री 108 प्रणुत सागर जी महाराज, प.पू. मुनि श्री 108 साध्यसागर जी महाराज, प.पू मुनि श्री 108 जयन्द्र सागर जी महाराज जी का पावन सानिध्य रहेगा।

मेले में अड़ीबाजी ,शांति भंग करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई कार्यवाही

पुलिस अधीक्षक ने उठाया सख्त कदम तो कलेक्टर ने लगाई मुहर

आलीराजपुर – पुलिस अधीक्षक आलीराजपुर राजेश व्यास के द्वारा बताया गया कि विगत दिवस कुछ असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कस्बा अलीराजपुर मे चल रहे मेले में संचालित हो रही दुकानों के व्यापारियों ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवायी कि मेले में राहुल पिता मुकामसिंह, रवि पिता किशोर, गौतम पिता अशोक एवं शिवम उर्फ छोटु पिता शंकर द्वारा आये दिन मेले में लगने वाली दुकानदारों पर अडीबाजी कर रंगदारी करते व व्यापारियों के द्वारा विरोध करने पर मारपीट कर धोस दी जाती है। उक्त असामाजिक तत्वों के द्वारा आये दिन इस प्रकार का अपराधिक कृत्य किया जा रहा था, जिससे मेले में घूमने आने वाले आमजन में भी असुरक्षा का वातावरण बन रहा था। आरोपियों के उक्त कृत्य से आमजन भयभीत होकर मेला छोडकर चले जाने लगे तथा भय का माहौल निर्मित उत्पन्न हो रहा था। उक्त कृत्य के साथही असामाजिक तत्वों के द्वारा मेले से लगे मुख्य मार्ग पर भी तेजगति से मोटरसायकल दौडाई जाकर आमजन के जीवन को संकट में डालने का कृत्य भी किया जा रहा था। आरोपियों के द्वारा की जा रही उक्त घटना के संबंध में आमजन एवं जागरूक नागरिक मंच तथा जन प्रतिनिधियों द्वारा भी रोष व्यक्त किया गया था। पुलिस अधीक्षक आलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि गुण्डों पर नकेल कसने की लिये आवश्यक है, कि जीरो टॉलरेंस के तहत इनके विरूद्ध प्रभावी एवं कठोर कार्यवाही की जावे। आलीराजपुर मेले में हुई उत्पात मचाने, वसूली करने एवं महिलाओं से छेडखानी की घटना को अलीराजपुर पुलिस के द्वारा बहुत ही गंभीरता से लिया है उक्त घटना में शामिल असामाजिक तत्वों के विरूद्ध पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये अपराध पंजीबद्ध कर 04 आरोपियों को गिरफतार कर न्यायालय प्रस्तुत किया गया है। असामाजिक तत्व इस प्रकार की घटना करनें के लिये पुनरावृत्ति न कर सकें, जिस हेतु कठौर कार्यवाही की गई है।

असामाजिक तत्वों के द्वारा किया गया उक्त कृत्य क्षम्य नही होकर इनके विरूद्ध कठौर कार्यवाही किया जाना आवश्यक होनें से अलीराजपुर पुलिस के द्वारा मेले में शांति भंग करनें वाले 03 बदमाशों राहुल पिता मुकामसिंह, रवि पिता किशोर, गौतम पिता अशोक के विरूद्ध एनएसए/राष्टीय सुरक्षा कानून के तहत प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी आलीराजपुर को भेजा गया पश्चात जिला दण्डाधिकारी आलीराजपुर के द्वारा प्रकरण में त्वरित कार्यवाही अमल में लाई जाकर 3 बदमाशों पर एनएसए के तहत कार्यवाही करते हुये जेल भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि अलीराजपुर पुलिस का प्रयास है, कि जिलें में अमन शांति बनी रहे, जिस हेतु असामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्यवाही करना पुलिस की प्राथमिकता में है। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की नजर लगातार बनी हुई है तथा गुण्डा बदमाशों के विरूद्ध लगातार कठौर कार्यवाही जारी रहेगी। अलीराजपुर पुलिस का स्पष्ट संदेश है, कि किसी भी स्तर पर अराजकता फैलानें वाले असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जावेगा। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये असामाजिक तत्वों पर पुलिस की लगातार निगरानी रखी जा रही है, यदि किसी भी असामाजिक तत्व के द्वारा किसी भी प्रकार का अपराधिक कृत्य कर कानून-व्यवस्था मे व्यवधान किया जाता है तो उसके विरूद्ध इसी प्रकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्यवाही कर जेल भेजा जायेगा।

चोरी का सोना गलाकर उसे ठिकाने लगाते उसके पहले पहुंच गई पुलिस, खातेगांव से सोने के व्यापारी को भी पुलिस ने पकडा

देवास – जिले में पुलिस ने जो सीसीटीवी कैमरे लगवाए वे अब रिजल्ट दे रहे हैं. सीसीटीवी कैमरे की मदद से हरणगांव पुलिस ने चोरी का खुलासा किया हैं. थाना हरणगाव पुलिस ने दिन दहाडे सूने मकान मे चोरी करने वाले आरोपियों का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपी गिरफ्तार किए. चोरी गए सोने को गलाने की तैयारी थी. पुलिस ने खरीदार को किया भी गिरफ्तार किया हैं. फरियादी दिनेश पटेल ने थाना हरणगांव पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 मार्च को को सुबह करीब 9 बजे मैं अपने परिवार सहित घर पर ताला लगाकर ग्राम सिराल्या गया था। दिन के करीब 3 बजे मैं परिवार सहित वापस घर आया तो देखा कि घर का सामान इधर उधर पड़ा था. मैने तथा मेरी पत्नी मंजु बाई ने गोदरेज में रखा सामान चेक किया तो सोने की सात सतपुतली में से तीन सतपुतली,सोने की 03 ग्राम की एक अंगुठी और 500 रुपये नकदी कुल 80,000/- रुपए का सामान नही था जो कोई अज्ञात बदमाश दिन में घर में घुसकर चोरी कर ले गया. फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना हरणगाँव पर अपराध क्रमांक 35/2025 धारा 331(3),305(ए)क्ह्स् का अपराध पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया. उक्त घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा आरोपी की जल्द गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था. जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) हरिनारायण बाथम के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद आदित्य तिवारी के निर्देशन में थाना प्रभारी हरणगांव शुभम परिहार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया. विशेष टीम के द्वारा तकनीकी,भौतिक एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किए गए. पुलिस टीम द्वारा आरोपी दीपक जाट पिता नंदकिशोर जाट उम्र 32 साल निवासी ग्राम कांकरिया को गिरफ्तार किया गया. आरोपी से सख्ती से पुछताछ करने पर घटना में सहयोग करने वाले आरोपी का नाम विक्रम जाट पिता हरिशंकर जाट उम्र 42 साल निवासी ग्राम कांकरिया बताया. उक्त दोनो आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर उन्होने चोरी किये हुए सोने के गहनों को खातेगांव के सोने के व्यापारी ललित सोनी पिता रमेशचंद सोनी उम्र 48 साल निवासी शंकर मंदिर गली खातेगांव को 43,000/- रुपए मे बेचना बताया. पुलिस टीम द्वारा तत्परता से सोने के व्यापारी की दुकान पर दबिश देकर आरोपी ललित सोनी को गिरफ्तार किया जिससे खरीदे गए. चोरी के गहनो के बारे मे पूछताछ की गई. उक्त तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय खातेगांव पेश कर न्यायालय से 02 दिवस की पुलिस रिमांड प्राप्त की गई.

रेडियोग्राफर चंद्रशेखर तिवारी की सेवानिवृत्ति पर अस्पताल प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

धार जिला भोज चिकित्सालय में पदस्थ रेडियोग्राफर चंद्रशेखर तिवारी की सेवा सेवानिवृत्ति के अवसर पर समस्त चिकित्सालय के स्टाफ ने उन्हें भावभीनी विदाई देकर सिविल सर्जन डॉ मुकुंद बर्मन ने शाल तथा श्रीफल देकर उन्हें सम्मानित किया साथ ही शासकीय कर्मचारी। संघ ने भी उन्हें साल तथा श्रीफल द्वारा सम्मानित किया साथी डॉक्टर संजय जोशी ने अपने उद्बोधन में श्री तिवारी के सेवाकाल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 41 साल की लंबी अवधि तक चिकित्सालय में अपनी सेवाएं देना इतनी लंबी अवधि की सेवाओं के बाद भी उन्हें आज तक कभी भी किसी प्रकार का

नोटिस या सूचना पत्र विभाग द्वारा नहीं दिया गया यह उनकी समर्पित कार्य शैली को दर्शाता है करोना काल के दौरान अपनी जान की भी परवाह न करते हुए जिस प्रकार से श्री तिवारी ने तथा उनके समस्त अधीनस्थ कर्मचारियों ने जिस जज्बे के साथ कार्य किया कलेक्टर पंकज जैन के द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया। अपने सेवा कल के दौरान उन्होंने कई उपलब्धियां अर्जित की तथा मानवता की एक मिसाल प्रस्तुत की सिविल सर्जन डॉ.मुकुंद बर्मन ने

कहा कि सरकार इन्हें सेवा निवृत जरूर कर रही है पर हम चाहेंगे कि यह आगे भी अपने अनुभव से विभाग को अपनी सेवाएं देते रहे अपने जूनियर का मार्गदर्शन करते रहें।हम समय-समय पर उनकी सेवाएं लेते रहेंगे इस अवसर पर उनके साथी कर्मचारी स्टाफ बहुत भावुक हो करआत्मीयता के साथ स्वागत कर स सम्मान अस्पताल से घर तक उन्हें उन्हें भेजा गया। इस दौरान उनके साथी कर्मचारी सिविल सर्जन डॉक्टर बर्मन तथा अनेक डॉक्टर तथा कर्मचारी मौजूद थे। श्री तिवारी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में बताया कि सार्वजनिक सेवाओं में बहुत अधिक धैर्य के साथ काम करने की आवश्यकता होती है। बीमार व्यक्ति की मानसिक स्थिति को समझ कर कार्य करना होता है उसके शब्दो पर न जाकर

जोकर से गब्बर सिंह डाकू बन नगर में आया बहरूपिया

जनता का कर रहा मनोरंजन

खरगोन कसरावद - एक जमाना था जब सीमित मनोरंजन के साधनों में से एक बहरूपिया हुआ करता था जो शहरी सिनेमाघरों में चर्चित कलाकारों से शहरों से दूर बसे ग्रामीणों तक पहुंचा कर उनका मनोरंजन करता था यही उनकी आजीविका का साधन भी होता था जमाना बदल गया है आज सोशल मीडिया में अनेक लोग रिल के माध्यम से पैसा भी कमा रहे हैं तो जनता का मनोरंजन भी कर रहे हैं लेकिन सोशल मीडिया एवं टीवी मोबाइल में दीखने वाले किरदार जब सामने आते हैं तो उनका क्रेज अलग ही होता है ऐसे में एक बार फिर कसरावद नगर मैं आकाश राज पिता बाबूलाल नामक बहरूपिया जयपुर, राजस्थान से आया हुआ है जो कभी नारदमुनि, कभी शोले का गब्बर सिंह, कभी आदिवासी ,कभी जोकर, कभी मेरा देश मेरे गांव देश के डाकू जब्बर सिंह,,जैसे लोकप्रिय विविध करैक्टर करते हुए जनता का मनोरंजन कर रहा है परिवार से मिली विरासत को 45 वर्षीय आकाश राज ने पढ़े लिखे होने के बावजूद भी बहखूबी संभाला हुआ है उन्होंने बताया कि 18 पीड़ियो से चली आ रही इस परंपरा को आज भी केवल न जिंदा रखे हुए हैं अपितु लगभग लुप्त हो चुकी है इस कला से भी नई पीढ़ी को दिखा भी रहे हैं और अपने परिवार का भरण पोषण भी कर रहे हैं। आकाश भी लंबे समय से सनातनी देवताओं के एवं फिल्मी सितारों के चर्चित संवाद बोलते हैं तो उनकी वाणी में सरस्वती विराजमान हो जाती है एवं जनता को देखने एवं सुनने को मजबूर कर देती है

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं सामाजिक शोध पर हुआ विशेष व्याख्यान आयोजन

खरगोन प्रधानमंत्री ऑफ एक्सीलेंस कॉलेज में प्राचार्य डॉ. शैल जोशी के मार्गदर्शन में कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं सामाजिक शोध विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को शोध की बारीकियों से अवगत कराते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शोध आधारित शिक्षा प्रणाली को समझाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत उद्बोधन से हुई, जिसे विभागाध्यक्ष डॉ वंदना बर्वे ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता सहायक प्राध्यापक श्रीमती अनुराधा ठाकुर ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत के युवाओं को विश्वस्तरीय युवा कौशल से युक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए युवाओं को शोध की ओर

उन्मुख करने तथा वैज्ञानिक को बढ़ावा देने हेतु प्रथम वर्ष से हो शोध कार्य के लिए फील्ड प्रोजेक्ट/इंटर्नशिप सामुदायिक सहभागिता/शिक्षुता आदि का व्यावहारिक उपयोग करते हुए चतुर्थ वर्ष तक विद्यार्थी को शोधार्थी के रूप में परिणीत करने का प्रयास है। इसके लिए कला संकाय के विद्यार्थियों को रिसर्च की बारीकियां समझाई गई तथा कुशल शोध करने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ जगदीश पावरा द्वारा विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्रो. मनोज भार्वे ने किया। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक इस व्याख्यान में भाग लिया और शोध से जुड़े अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। प्रधानमंत्री ऑफ एक्सीलेंस कॉलेज के इस आयोजन की सभी उपस्थितजनों ने सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के व्याख्यान आयोजित करने की बात कही।

बोर्ड परीक्षा केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें एसडीएम - कलेक्टर सोनिया मीना

नर्मदापुरम

आईटीआई में छात्राओं के प्रवेश को बढ़ावा देने के लिए चलाएं विशेष अभियान

सीपीग्राम व सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का किया जाए त्वरित समाधान

जनसुनवाई शिकायतों की अनदेखी स्वीकार्य नहीं की जाएगी

कलेक्टर ने की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा, लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए

सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने विभागीय योजनाओं, जनसुनवाई एवं समय सीमा प्रकरणों, सीएम हैल्पलाईन आदि की समीक्षा की। कलेक्टर सुश्री मीना ने सीपीग्राम पोर्टल एवं सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज विभागीय शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एवं संतुष्टि पूर्वक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित शिकायतों का पूर्ण परीक्षण कर बिंदुवार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों की संख्या अधिक होने पर उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को प्राथमिकता से शिकायतों के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलवार सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर सभी तहसीलदारों को ए-ग्रेड लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने के लिए निर्देशित किया। बॉटम तीन तहसील सिवनी मालवा, माखननगर और बनखेड़ी को विशेष प्रयास करने की आवश्यकता बताते हुए कलेक्टर ने समस्त जिलाधिकारियों को अपनी विभागीय प्रगति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मीना ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की समय सीमा की बैठक के दौरान रिव्यू की गई सभी शिकायतों का आगामी एक सप्ताह में संतुष्टि पूर्वक समाधान किया जाए साथ ही 30 दिन से लंबित शिकायतों पर भी संबंधित अधिकारी ध्यान दे। कलेक्टर ने ईई लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए की बी ग्रेड में आना पर्याप्त नहीं है विभाग की रैंकिंग सुधारने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। कलेक्टर सुश्री मीना ने जिले में संचालित बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए सभी एसडीएम को नियमित रूप से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि परीक्षा के दौरान छात्रों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तर पर शिक्षा अधिकारियों को भी केंद्रों का सतत निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के लंबे मामलों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए की जनसुनवाई के दौरान प्राप्त हुई सभी शिकायतों में सात दिवसों में प्रारंभिक जवाब दायर किया जाए। किसी भी सूरत में जनसुनवाई शिकायतों की अनदेखी को स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। उन्होनेा कहा कि जनसुनवाई प्रशासन और जिले की जनता के बीच एक समन्वय का माध्यम है जिससे उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही, कलेक्टर ने संभागायुक्त द्वारा चिन्हित समय सीमा प्रकरणों के निराकरण के लिए साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित कर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देश दिए की कलेक्टर कार्यालय सहित समस्त जिला कार्यालय में ई ऑफिस प्रणाली लागू किए जाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए, जिसमें समस्त जिला अधिकारियों को उक्त प्रणाली के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि ई- ऑफिस प्रणाली शासन की महत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण कार्ययोजना है, जिसका सभी जिला कार्यालय में क्रियान्वन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आगामी रबी उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा कर समस्त एसडीएम को निर्देश दिए कि वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के ऑफर लिंक खुलने के पश्चात समस्त उपार्जन केन्द्रों तथा गोदाम का प्रस्ताव तैयार कर प्रेषित करें तथा उनका सत्यापन भी सुनिश्चित किया जाए। सभी एसडीएम समिति प्रबंधकों एवं उपार्जन कार्य में संलग्न होने वाले सर्वे की बैठक कर उनका प्रशिक्षण करवाये। इसी के साथ सभी अनुभागी अधिकारी (राजस्व) सहकारिता विभाग अंतर्गत की जाने वाली वसूली प्रक्रिया को भी संपादित करवाया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए सहकारी बैंक प्रबंधकों को बकायेदारों की सूची संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने ई डायरी की उपयोगिता पर जोर देते हुए सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देश दिए की अपने-अपने क्षेत्र में कार्यरत पटवारी को ई डायरी का उपयोग करवाया जाना सुनिश्चित करें। इसी के साथ फसल गिरदावरी एवं पंजीयन प्रक्रिया भी समय अनुरूप पूर्ण की जाए। कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले की आईटीआई में छात्राओं के प्रवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होनें कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी, जनजातीय कार्य विभाग तथा डीपीसी आपसी समन्वय स्थापित कर इस अभियान को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करे। कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि उन्हें उपलब्ध कराई गई पंचायतवार एवं वार्ड वार सूची को वेरीफाई कर लें तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थियों में से कितने का आयुष्मान कार्ड जनरेट हो चुका है तथा कितने लाभार्थी इस योजना का लाभ लेने के लिए शेष हैं इसका आंकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कलेक्टर सुश्री मीना ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिए कि वेटलैंड का सर्वे एवं सीमांकन कार्य प्राथमिकता से संपादित करें एवं सीमांकन के लिए उचित कार्य योजना बनाकर उसके अनुसार सीमांकन प्रक्रिया संपन्न करें। विशेष तौर पर माखननगर एवं इटारसी तहसील इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करे। साथ ही फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य भी अभियान मोड में किया जाए। इसके लिए सतत रूप से उक्त कार्य का रिव्यू करते रहे। कलेक्टर ने एसएलआर को निर्देश दिए की नियमित रूप से तहसीलवार रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने समय सीमी की बैठक के दौरान निर्देश दिए कि जिला खनिज फाउंडेशन के अंतर्गत खदानों से प्रभावित ग्रामों के लिए प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक मरम्मत एवं निर्माण कार्य के प्रस्ताव बनाकर जिला खनिज अधिकारी को प्रेषित किया जाए। यह कार्य समस्त जनपद सीईओ एवं एसडीएम प्राथमिकता के आधार पर संपन्न कराएं। उन्होंने कहा कि संबंधित जनपद सीईओ एवं एसडीम इस संबंध में अपने-अपने क्षेत्र के विधायक, सांसद एवं जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा करना सुनिश्चित करें। समय सीमा की बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, संयुक्त कलेक्टर श्री अनिल जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा ऑफ, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

चौकी खलटाका पुलिस ने दुकान मे चोरी करने वाले 2 आरोपी को किया

खरगोन घटना का संक्षिप्त विवरण 1 मार्च को चौकी खलटाका थाना बलकवाड़ा पर फरियादी निवासी निमरानी ने सूचना दी थी कि, फरियादी दिनांक 1 मार्च को रात करीबन 10.00 बजे अपनी पान दुकान को बंद करने घर चला गया था, सुबह आकार देखने पर पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा 11,000/- रुपये नगदी, तथा मेरी पान दुकान से दो राज श्री पैकेट, एक कमला पसंद का पैकेट, तीन गोल्ड फ्लेक सिगरेट के पैकेट तथा दो (लर) आलु चिप्स 12-12 नग कुल किमती लगभग 13000/- रुपये चुराकर ले गया है । प्राप्त सुचना पर चौकी खलटका थाना बलकवाड़ा अपराध कमांक 55/25 धारा- 331(4), 305() भारतीय न्याय संहिता का कायम कर विवेचना में लिया गया ।विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले व

सीसीटीव्ही फुटेज मे दिख रहे संदेहियों की तलाश हेतु पुलिस के मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर लगाया गया व उक्त चोरी मे संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पप्पु पिता बुदिया उर्फ बदिया नायक जाति बंजारा उम्र 23 साल निवासी निमरानी बैडी व उसके साथी बाल अपचारी को चौकी लाकर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गई । जिसमे पप्पु व बाल अपचारी ने उक्त चोरी को कारित करना स्वीकार किया गया, पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से उनकी निशानदेही पर चोरी गया सम्पूर्ण मशरुका कुल कीमती लगभग 13,000/- रुपये को नियमानुसार विधिवत जप्त कर आरोपी न्यायालय पेश किया गया है ।

जप्त शुदा मशरूका

1. 11000/- रुपये नगदी
2. दुकान का समान कीमती लगभग 2000/- रुपये

गिरफ्तार आरोपीयो के नाम

1. पप्पु पिता बुदिया उर्फ बदिया नायक जाति बंजारा उम्र 23 साल निवासी निमरानी बैडी
2. एक बाल अपचारी

नए सीज़न मेंमंडी समिति में हुआ अनाज खरीदी का मुहूर्त

खेतिया ,,, कृषि उपज मंडी समिति खेतिया में आज से चना, गेहूं आदि अनाज विक्रय का शुभारंभ किया गया कृषि उपज मंडी समिति खेतिया के प्रभारी सचिव दीपक पालीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज प्रारंभ हुई अनाज खरीदी में किसानों ने उत्साह से हिस्सा लिया जिसमें कृषक उमेश प्रकाश पाटिल भातकी द्वारा लाया गया चना 9010 रुपए के भाव से आदिनाथ ट्रेडिंग कंपनी खेतिया एवं कृषक दिनेश सोनीस का चना 8860 में महेश ट्रेडर्स खेतिया द्वारा क्रय किया गया। कृषि उपज मंडी समिति खेतिया में आज हुए श्री गणेश के साथ या अनाज के आवक बढ़ने लगेगी ,वही मंडी सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी समिति खेतिया में कपास विक्रय हेतु भारतीय कपास निगम द्वारा 15 मार्च तक किसानों का पंजीयन किया जा रहा है पंजीयन कराकर किसान अपनी उपज कृषि उपज मंडी समिति के माध्यम से भारतीय कपास निगम को विक्रय कर सकते हैं। आज हुए मुहूर्त में कॉटन एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपेश हरसोला ,अनाज व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष लालचंद जैन, कॉटन एसोसिएशन के महिपाल जैन सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे मंडी सचिव पालीवाल ने कृषकों से अपील की है कि वह अपने उपज मंडी प्रांगण में विक्रय कर उचित मूल्य प्राप्त करने के साथ शासन की योजनाओं का भी लाभ उठाएं।

सीएसआर के लिए बैठक संपन्न

शाजापुर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर की अध्यक्षता में आज जिले में कार्यरत विभिन्न कंपनियों द्वारा कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए किये जाने वाले कार्यों के चयन के संबंध में बैठक संपन्न हुई।बैठक में एमपीएनआरईडी से श्री पंकज तिवारी, एनवीडीए से श्री एसएस परिहार, पावरग्रिड से श्री कृष्णनंदन तिवारी, प्रभारी सीएमएचओ डॉ. तेजपाल सिंह जादोन, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विवेक दुबे, आरईएस कार्यपालन यंत्री श्री अभिषेक

यादव, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री विजय सिंह चौहान, महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी सुश्री नीलम चौहान, जनपद पंचायत सीईओ मो. बड़ोदिया श्री एआर सिसोदिया, एनआरएलएम से श्री मनोज जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रंप के टैरिफ वार के बाद एक्शन में मोदी सरकार, अचानक अमेरिका रवाना हुए पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को अचानक अमेरिका दौरे के लिए अमेरिका (स) रवाना हो गए हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही हफ्तों में भारत समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा कर सकते हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पहले से तय बैठकों को रद्द करने के बाद पीयूष गोयल का यह दौरा बेहद अप्रत्याशित है। खबरों के मुताबिक इस दौरे के लिए 8 मार्च तक का कार्यक्रम तय है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस यात्रा पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

गौरतलब है कि ट्रंप ने इससे पहले पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से ठीक पहले भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पारस्परिक शुल्क यानी जैसे को तैसा टैक्स लगाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान भी ट्रंप ने अपनी इस फैसले को सही ठहराया था और उन्होंने कहा था कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर बहुत अधिक शुल्क लगता है और अमेरिका भी अब ऐसी ही नीति अपनाने जा रहा है। वहीं पिछले महीने पीएम मोदी के अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया था।

पीयूष गोयल के दौरे पर क्या संभावनाएं?

सूत्रों के मुताबिक पीयूष गोयल अपने इस दौरे पर ट्रंप के रेसिप्रोकल टैक्स पर चीजों को स्पष्ट करने की कोशिश करेंगे। इस दौरान भारत पर इसके संभावित प्रभाव का आकलन करने की कोशिश भी होगी। साथ ही कहा गया है वे भारतीय निर्यातकों के लिए रियायतें मिलने की संभावना पर भी चर्चा करेंगे। वहीं द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए तैयार किए गए व्यापार सौदे पर भी बातचीत होगी।

भारत को हो सकता है इतना नुकसान

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर कहा है कि वह अप्रैल की शुरुआत में पारस्परिक शुल्क लगाने का इरादा रखते हैं। इस खबर से भारतीय एक्सपोर्टर्स, खास तौर पर ऑटोमोबाइल और कृषि क्षेत्र में चिंताएं बढ़ गई हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक सिटी रिसर्च के विश्लेषकों का अनुमान है कि इस तरह के टैरिफ से भारत को सालाना 7 बिलियन डॉलर तक का नुकसान हो सकता है।

भारत ने उठाए हैं कदम

इस बीच व्यापार तनाव को कम करने के लिए भारत ने पहले ही कुछ वस्तुओं पर टैरिफ कम करने के लिए कदम उठाए हैं। हाई-एंड मोटरसाइकिलों पर टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं बॉर्बन व्हिस्की पर लगने वाले टैरिफ को 150 प्रतिशत से घटाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया है। भारत ने अन्य टैरिफ की समीक्षा करने, ऊर्जा आयात बढ़ाने और अमेरिका से अधिक रक्षा उपकरण खरीदने का भी वादा किया है।

कश्मीर मसले पर पाक को लगने जा रहा बड़ा झटका

इस देश को साधने में लगा भारत

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मसले को पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय लेवल पर उठाता रहता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मंचों पर पाकिस्तान हर बार इस मसले को उठाता है और तुर्की, ईरान, मलयेशिया जैसे देशों से भी इसकी चर्चा करवाता है। अब भारत ने उसकी इस लॉबिंग को ही तोड़ने का प्रयास शुरू कर दिया है।

करीब एक सप्ताह तक ईरान के सुप्रीम काउंसिल फॉर कल्चरल रिवॉल्यूशन के सेक्रेटरी अब्दुल हुसैन खोसरो पाना भारत में रुके। इस दौरान उन्होंने कई आयोजनों में हिस्सा लिया और भारत सरकार के प्रतिनिधियों से भी मुलाकातें कीं। इस दौरे को भारत सरकार की एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है कि ईरान की राय को कश्मीर मसले पर बदला जाए।

अब्दुल हुसैन खोसरो को ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्लाह खामेनेई का करीबी माना जाता है। खामेनेई ने बीते साल भारत को असहज करने वाला बयान देते हुए कहा था कि कश्मीर में मुस्लिमों का हाल अच्छा नहीं है। अब उनके करीबी नेता का भारत में एक सप्ताह तक रुकना बड़ी रणनीति का संकेत है। सूत्रों का कहना है कि अब्दुल हुसैन के माध्यम से भारत ईरान के शीर्ष नेता तक जम्मू-कश्मीर को लेकर संदेश देना चाहता है। ईरानी सुप्रीम लीडर तक मेसेज भेजने का सबसे अच्छा माध्यम अब्दुल हुसैन खोसरो ही थे। ऐसे में उनकी एक सप्ताह की विजिट मायने रखती है। यदि ईरान ने जम्मू-कश्मीर के मसले पर तटस्थ रुख अपनाया और पाकिस्तान की तरफ झुकाव कम किया तो यह बड़ी सफलता होगी।

Germany के मैनहेम शहर में बेकाबू कार ने भीड़ को रौंदा, एक की मौत, कई घायल

मैनहेम। जर्मनी में सोमवार को एक कार चालक ने अपने वाहन से भीड़ को रौंद दिया। इसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। मैनहेम शहर की पुलिस ने लोगों से शहर के मुख्य इलाके से दूर रहने और अपने घरों के अंदर रहने को कहा है। उसने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता स्टीफन विल्हेम ने बताया कि मैनहेम में पैदल चलने वालों के लिए बनी सड़क परेडप्लाट्ज में वाहन चालक ने अपने वाहन से लोगों को रौंद दिया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। हालांकि, पुलिस ने घायलों की संख्या की जानकारी नहीं दी है।

जर्मनी में सोमवार को एक कार चालक ने अपने वाहन से भीड़ को रौंद दिया। इसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। मैनहेम शहर की पुलिस ने लोगों से शहर के मुख्य इलाके से दूर रहने और अपने घरों के अंदर रहने को कहा है। उसने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता स्टीफन विल्हेम ने बताया कि मैनहेम में पैदल चलने वालों के लिए बनी सड़क परेडप्लाट्ज में वाहन चालक ने अपने वाहन से लोगों को रौंद दिया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। हालांकि, पुलिस ने घायलों की संख्या की जानकारी नहीं दी है।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा, 'हम पुष्टि कर सकते हैं कि एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। हम अभी यह जानकारी नहीं दे सकते कि क्या और भी अपराधी थे।' घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में दिख रहा है कि इलाके को घेर लिया गया है और वहां पर पुलिस बल की भारी मौजूदगी है। हेलीकॉप्टर ऊपर मंडरा रहे हैं। पुलिस एक बुरी तरह क्षतिग्रस्त काली कार के चारों ओर हैं, जबकि एंबुलेंस घेरे के बाहर खड़ी हैं। इससे पहले विल्हेम ने इस घटना को जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति बताया गया था।

घायलों की देखभाल के लिए इमरजेंसी प्लान लागू परेडप्लाट्ज शहर के बीचोबीच स्थित एक मुख्य चौराहा है। फ्रैंकफर्ट से करीब 85 किलोमीटर दक्षिण में स्थित मैनहेम की आबादी करीब 3.26 लाख है। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने बताया कि मैनहेम विश्वविद्यालय अस्पताल ने संभावित हताहतों से निपटने के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। अस्पताल ने घायलों की देखभाल के लिए आपदा और आपातकालीन योजना लागू की है। जर्मन आंतरिक मंत्री नैंसी फेसर ने मैनहेम की घटना के मद्देनजर कोलोन में कार्निवल स्ट्रीट परेड में शामिल होने के अपने कार्यक्रम को रद्द कर दिया है।

मस्क की स्टारलिंक भारत में जल्द शुरू कर सकती है सर्विस, इंटरनेट हो सकता है सस्ता

वाशिंगटन । एलन मस्क की स्टारलिंक को जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष नियामक से मंजूरी मिल सकती है। बताया जा रहा है कि कंपनी सैटेलाइट द्वारा ग्लोबल मोबाइल व्यक्तिगत संचार लाइसेंस हासिल करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत हो गई है, लेकिन सुरक्षा संबंधी कुछ आवश्यकताओं पर चर्चा चल रही है। संभावना है कि आने वाले दिनों में सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर सहमति बन जाएगी। स्टारलिंक करीब 100 देशों में अपनी इंटरनेट की सेवाएं दे रही है। सूत्रों का कहना है कि कंपनी ने जरूरी डिटेल्स जमा कर दिया है। यह स्टारलिंक के लिए भारत में पहली नियामक मंजूरी होगी, जिसका लक्ष्य भारत में कॉमर्शियल ब्रॉडबैंड-फ्रॉम-स्पेस सेवाएं शुरू करना है। कंपनी उपयोगकर्ता टर्मिनलों के स्थानांतरण और उससे जुड़े प्रावधान का पालन करने के लिए सहमत हो गई है। कंपनी भारत में अपना नेटवर्क नियंत्रण और निगरानी केंद्र बनाने पर भी सहमत है। स्टारलिंक इस बात पर भी सहमत है कि वह यह भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे के माध्यम से डेटा रूट नहीं करेगा।

जमीनी सीमा वाले देशों में कोई गेटवे नहीं कंपनी का फिलहाल भारत के जमीनी सीमा वाले देशों में कोई गेटवे नहीं है, लेकिन कंपनी ने प्रतिबद्ध किया है कि भविष्य में जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे स्थापित करती है तो वह भारत से जुड़ा डेटा उनके माध्यम से नहीं भेजा जाएगा। लेकिन, इस बार भी सुरक्षा के मोर्चों पर कई सारे प्वाइंट्स हैं, जिनको लेकर निरंतर चर्चा चल रही है। स्टारलिंक चाहती है कि भारत के साथ जल्द से जल्द सेवा शुरू करने वाले शर्तों पर आपसी सहमति बने, जिससे कि वह अपनी सेवा शुरू कर सके।

इन प्रावधानों पर चल रही है चर्चा मौजूदा नियमों के अनुसार कंपनियों के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के तहत अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार 10 किलोमीटर तक निगरानी सुविधाएं प्रदान करना अनिवार्य हैं। सूत्रों का कहना है कि अब सरकार विचार कर रही है कि स्टारलिंक को एलईए से जुड़ी शर्तों में छूट प्रदान की जाए या नहीं। हालांकि सरकार पहले भी स्पष्ट कर चुकी है कि देश में कोई भी कंपनी आकर टेलीकॉम से जुड़ी सर्विस शुरू कर सकती है। उसमें किसी तरह की कोई रुकावट नहीं है, लेकिन कंपनी को भारत से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। अब बताया जा रहा है कि सरकार स्टारलिंक को कुछ प्रावधानों में बदलाव कर अनुमति देना चाहती है, लेकिन सुरक्षा से जुड़े नियमों में कोई बदलाव होने की संभावना कम है। सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि स्पेक्ट्रम प्रशासनिक रूप से या बिना नीलामी के आवंटित किया जाएगा।

क्या है स्टारलिंक स्टारलिंक एक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस टेक्नोलॉजी है। इसके जरिए बिना तार और टॉवर की मदद से लोगों तक इंटरनेट पहुंच रहाहै। इसमें इंटरनेट पहुंचाने के लिए सैटेलाइट आधारित रेडियो सिग्नल की मदद ली जाती है। ये सैटेलाइट जमीन पर मौजूद ग्राउंड स्टेशन ब्रॉडबैंड सिग्नल को सैटेलाइट ऑर्बिट में भेजता है। यह बहुत तेज गति से जमीन पर इटंरनेट पहुंचाने में सक्षम है।

कितना महंगा है स्टारलिंक का इंटरनेट स्टारलिंक सर्विस को लेकर सोशल मीडिया में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक स्टारलिंक सर्विस के जरिए इंटरनेट महंगा होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टारलिंक की कीमत 110 प्रति माह डॉलर है। वहीं इसके लिए इस्तेमाल होने वाले हार्डवेयर की कीमत एकबार के लिए 599 डॉलर चुकाने पड़ते हैं। भारत में इसकी कीमत करीब 7000 रुपये हो सकती है, वहीं इंस्टॉलेशन चार्ज अलग से देना पड़ सकता है। स्टारलिंक की तरफ से व्यावसायिक और व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए अलग-अलग प्लान हैं।

जो बाइडेन ने यूक्रेन की आर्थिक मदद कर मूर्खतापूर्ण काम किया, बोले ट्रंप

वॉशिंगटन. रूस के खिलाफ युद्ध के दौरान यूक्रेन की आर्थिक मदद करने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर हमला बोला। ट्रंप ने कहा कि बाइडन ने बहुत ही मूर्खतापूर्ण तरीके से एक देश को लड़ने के लिए 350 बिलियन डॉलर दे दिए। इसके बदले हमें कुछ नहीं मिला। हम 350 बिलियन डॉलर से अपनी पूरी अमेरिकी नौसेना का पुनर्निर्माण कर सकते थे। अब हम जो कर रहे हैं वह यह है कि हम वह सब वापस पा रहे हैं। मुझे अब नहीं लगता कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच खनिज सौदा होना चाहिए।

यूरोप वाले हमसे होशियार निकले ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि जेलेंस्की को हमारी ज्यादा सराहना करनी चाहिए क्योंकि यह देश हर मुश्किल समय में उनके साथ खड़ा रहा है। हमने यूक्रेन को यूरोप से काफी ज्यादा दिया है। जबकि यूरोप को हमसे कहीं ज्यादा देना चाहिए था। यूरोप वाले बाइडन से कहीं ज्यादा होशियार निकले, क्योंकि जो बाइडन को कुछ भी पता नहीं था। यूरोप को हमारे बराबर आना चाहिए था। अगर हमने एक डॉलर दिया, तो यूरोप को भी देना चाहिए था। मगर हमने 350 बिलियन डॉलर दिए। इन सबसे बढ़कर यूरोप ने जो दिया उसे अपना पैसा वापस मिल गया क्योंकि वे इसे ऋण के रूप में दे रहे हैं। यह एक सुरक्षित ऋण है। मैं चाहता हूं कि उन सभी युवाओं की हत्या बंद हो। मैं इसे रुकते हुए देखना चाहता हूं। पैसा एक बात है, लेकिन मौत और वे हर सप्ताह हजारों सैनिकों को खो रहे हैं। मैं इसे रुकते हुए देखना चाहता हूं। यूरोप ने यूक्रेन की रक्षा पर जितना खर्च किया है। उससे कहीं अधिक पैसा रूसी तेल और गैस खरीदने में खर्च किया है!

रूस-यूक्रेन के साथ सौदे के लिए यूरोपीय देशों की सहमति जरूरी अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सौदे के लिए दो लोगों की जरूरत होती है। अगर आपको रूस और यूक्रेन के साथ कोई सौदा करना है, तो आपको यूरोपीय देशों की सहमति लेनी होगी। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। हर किसी को एक कमरे में बैठना होगा। इसलिए हमें एक सौदा करना होगा और यह सौदा बहुत तेजी से किया जा सकता है। यह सौदा करना इतना मुश्किल नहीं होना चाहिए।

'यह आदमी चाहता ही नहीं कि शांति हो', जेलेंस्की पर फिर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने यूक्रेनी नेता के इस बयान के लिए आलोचना की कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का अंत अब भी बहुत दूर है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, 'यह जेलेंस्की की ओर से दिया गया सबसे खराब बयान है। अमेरिका इसे अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं करेगा।'

रविवार देर रात जेलेंस्की ने कहा था कि उनका मानना है कि युद्ध कुछ समय तक चलेगा। साथ ही उन्होंने रिपब्लिकन राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ व्हाइट हाउस में हुई विवादास्पद बैठक के बाद अमेरिका-यूक्रेन संबंधों के बारे में सकारात्मक राय रखने की कोशिश की। पिछले तीन वर्षों से चल रहे युद्ध में अमेरिकी समर्थन का जिक्र करते हुए जेलेंस्की ने कहा, 'मुझे लगता है कि (अमेरिका के साथ) हमारे रिश्ते जारी रहेंगे, क्योंकि यह कभी-कभार बनने वाले रिश्ते से कहीं बढ़कर है।'

ऐसा लगता है कि जेलेंस्की की इन हालिया टिप्पणियों से ट्रंप और भी चिढ़ गए कि युद्ध समाप्त होने में अभी समय लगेगा। ट्रंप ने कहा, 'यही मैं कह रहा था कि यह आदमी नहीं चाहता कि जब तक अमेरिका का समर्थन उसके साथ है, तब तक शांति हो।' वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप के सीनियर सहयोगियों ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की आलोचना की है। यूक्रेनी नेता के रूसी हमले के खिलाफ लड़ाई के वास्ते अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए लंदन में यूरोपीय शिखर सम्मेलन में शिरकत के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें आड़े हाथों लिया।

ओवल ऑफिस में हुई थी तीखी बहस शुक्रवार को ओवल ऑफिस में बैठक में दौरान जेलेंस्की और ट्रंप व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की बीच तीखी बहस हुई थी। नेताओं के बीच हुई बहस के बाद वाशिंगटन और कीव के बीच आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सके। इस विवाद के कारण यूक्रेन के साथ रिश्ते का भविष्य सवालों के घेरे में आ गया है। साथ ही संघर्ष के समाप्त होने की संभावना भी खतरे में पड़ गई है, जो फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद शुरू हुआ था। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने कहा कि व्हाइट हाउस में जेलेंस्की का व्यवहार अपमानजनक था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 131-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569